मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 7 अंक 232
सोमवार, 10 मार्च 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

हर खबर निष्पक्षता के साथ

प्रधानमंत्री मोदी ने चुनावी परिदृश्य में सत्ता विरोध को सत्ता समर्थन में बदलाः जेपी नड्डा

नई दिल्ली, 09 मार्च। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चुनावी परिदृश्य में सत्ता विरोधी भावना को सत्ता समर्थक भावना में बदलकर देश की राजनीतिक संस्कृति को बदल दिया है। नड्डा ने यहां एक रैली को संबोधित करते हुए पिछले तीन लोकसभा चुनावों के दौरान भाजपा के पक्ष में बढ़ते मत प्रतिशत का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, अब मोदी ने सत्ता विरोधी भावना को सत्ता समर्थक भावना में बदलकर देश की राजनीतिक संस्कृति को बदल दिया है। सत्ता समर्थक भावना का मतलब है कि लोग खुश हैं और चाहते हैं कि मोदी बार-बार जीतें। नड्डा ने कहा, भाजपा को 2014 लोकसभा चुनाव में 17 करोड़ वोट (31.30 प्रतिशत) मिले थे, जो 2019 में बढ़कर 22 करोड़ (36.7 प्रतिशत) हो गये। पिछले लोकसभा चुनाव (2024) में यह आंकड़ा करीब 24 करोड़ वोट (37 प्रतिशत) था। लोग हर बार मोदी जी को अधिक मतों से आशीर्वाद दे रहे हैं। भाजपा प्रमुख यहां स्वामी विवेकानंद मैदान में राज्य सरकार के दूसरे कार्यकाल की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर एक रैली को संबोधित कर रहे थे। नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने त्रिपुरा के विकास के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी है। उन्होंने कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार की तुलना में मोदी काल में कर हस्तांतरण में पांच गुना वृद्धि हुई है। नड्डा ने कहा, संप्रग सरकार के दौरान त्रिपुरा को कर के रूप में 9,000 करोड़ रुपये मिलते थे जो बढ़कर 46,500 करोड़ रुपये हो गए हैं। इसी तरह, अनुदान सहायता जो संप्रग सरकार के समय 31,000 करोड़ रुपये थी, वह बढ़कर 54,000 करोड़ रुपये हो गई है। नड्डा ने अगले दो वर्षों में त्रिपुरा के चार रेलवे स्टेशनों अगरतला, उदयपुर, धर्मनगर और कुमारघाट के आधुनिकीकरण की भी घोषणा की। उन्होंने प्रशासन में डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने के लिए भाजपा नीत सरकार की सराहना की। नड्डा ने कहा, त्रिपुरा ने डिजिटलीकरण को अपनाया है और 29 लाख सरकारी फाइलों का डिजिटलीकरण किया गया है।

बाबा रामदेव ने टैरिफ को लेकर डोनाल्ड ट्रंप पर साधा निशाना

नागपुर, 09 मार्च। महाराष्ट्र के नागपुर में रामदेव ने कहा, 'बौद्धिक उपनिवेशवाद का एक नया युग शुरू हो गया है। इस बीच, जब से डोनाल्ड ट्रंप सत्ता में आए हैं, उन्होंने 'टैरिफ आतंकवाद' का एक नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने गरीब और विकासशील देशों को धमकाकर लोकतंत्र को खत्म कर दिया है। यह 'आर्थिक आतंकवाद' है। वे दुनिया को एक अलग युग में ले जा रहे हैं। ऐसे में भारत को विकास की जरूरत है. सभी भारतीयों को एक मजबूत राष्ट्र बनाने के लिए एकजुट होना चाहिए और इन सभी विनाशकारी शक्तियों को जवाब देना चाहिए।'

दो महीने से भी कम समय पहले पदभार संभालने के बाद से ट्रम्प ने अमेरिका के तीन सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों - मेक्सिको, कनाडा और चीन से आने वाले सामानों पर भारी आयात कर लगा दिया है। हालांकि, बातचीत के बाद ट्रम्प ने अमेरिकी वाहन निर्माताओं के लिए मेक्सिको और कनाडा से आने वाले सामानों पर अपने नए टैरिफ पर एक महीने की छूट दी। वह 2 अप्रैल से पारस्परिक टैरिफ लगाने की योजना बना रहे हैं। रामदेव ने रविवार को कैलिफोर्निया में एक हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की निंदा की और कहा कि भारत को धार्मिक आतंकवाद पर लगाम लगाने के लिए पहल करनी चाहिए। उन्होंने पीटीआई से कहा, 'पूरी दुनिया इस धार्मिक आतंकवाद से पीड़ित है। सभी देशों के प्रमुखों को इससे बाहर निकलने का रास्ता खोजने की जरूरत है और भारत को इसके लिए पहल करनी चाहिए।

उच्चतम न्यायालय ने छत्तीसगढ़ के पूर्व आबकारी अधिकारी को दी जमानत, तत्काल रिहाई पर रोक

नई दिल्ली, 09 मार्च। शीर्ष अदालत ने त्रिपाठी को निर्देश दिया कि वह अपना पासपोर्ट जांच अधिकारी के पास जमा कराएं और प्रतिदिन सुबह 10 बजे उसके समक्ष उपस्थित हों। पीठ ने कहा, जब तक आरोपपत्र दाखिल नहीं हो जाता, वह जांच अधिकारी के साथ सहयोग करना जारी रखेंगे।

इसने कहा, जमानत देने का आदेश पारित करने के लिए अपीलकर्ता को 10 अप्रैल, 2025 को उपयुक्त सत्र अदालत के समक्ष पेश किया जाएगा। सत्र अदालत अपीलकर्ता को उपरोक्त नियमों और शर्तों सहित उचित नियमों एवं शर्तों पर जमानत देगी। भारतीय दूरसंचार सेवा के अधिकारी त्रिपाठी ने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें राज्य में शराब घोटाले के सिलसिले में उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया गया था।कथित घोटाले के समय छत्तीसगढ़ राज्य विपणन निगम लिमिटेड के विशेष सचिव और प्रबंध निदेशक के रूप में त्रिपाठी प्रतिनियुक्ति पर काम कर रहे थे और ईडी की जांच के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया था।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रायपुर पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा द्वारा भारतीय दंड संहिता और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की कई धाराओं के तहत दर्ज एक मामले के आधार पर अपनी जांच शुरू की थी।

सरकार का साथ मिले, तो युवा किसी भी चुनौती का सामना कर सकते हैं : योगी आदित्यनाथ

मेरठ, 09 मार्च। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अगर सरकार युवाओं के साथ खड़ी हो, तो वे (युवा) प्रत्येक चुनौतियों का सामना करते हुए अपना रास्ता खुद बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं की प्रगति में आने वाली हर बाधा को दूर करने के लिए सरकार संकल्पित है। योगी ने युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत मेरठ एवं सहारनपुर मंडल के 1,070 युवाओं को 48 करोड़ रुपये के ऋण वितरण के बाद आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री ने कहा, युवाओं के लिए चुनौती, चुनौती नहीं है। अगर सरकार उनके साथ खड़ी हो तो वे चुनौतियों का सामना करते हुए अपना रास्ता खुद बना सकते हैं। उत्तर प्रदेश के युवाओं ने खुद को आगे बढ़ाने का काम किया है। योगी ने कहा कि बहुत सारे ऐसे युवा हैं, जो नौकरी न करके अपना खुद का कारोबार शुरू करना चाहते हैं और वह अपने मां-बाप पर आश्रित न होकर अपनी मेहनत से खुद की पहचान बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, अपनी मेहनत पर विश्वास करने वाले ऐसे युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए हम लोगों ने व्यवस्था दी है कि पहले चरण में पांच लाख रुपये तक ब्याज मुक्त कर्ज हम उपलब्ध करायेंगे। योगी ने कहा कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिलाओं के लिए इसमें विशेष प्रावधान किया गया है और इस योजना का लाभ अधिक से अधिक लोगों को मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के अंतर्गत अब तक ऋण लेकर जिन्होंने अपना कारोबार शुरू किया है, उन युवाओं ने सफलता की कहानी लिखी है और यह साबित किया है कि युवा के लिए चुनौती कोई चुनौती नहीं होती और यदिसरकार उनके साथ खड़ी हो जाए तो वह चुनौतियों का सामना करते हुए अपना मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं।मुख्यमंत्री ने कहा, यह नये भारत का नया उत्तर प्रदेश है। मेरठ और सहारनपुर में इस योजना को आगे बढ़ाने में मुझे प्रसन्नता हो रही है और 1,070 (लाभार्थी) नये युवा उद्यमी इस क्षेत्र को दे रहे हैं। योगी ने कहा कि यह योजना राज्य को एक हजार अरबडॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी और भारत पांच हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने से दुनिया की कोई ताकत रोक नहीं सकती। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह क्रम इसी प्रकार चलेगा तो 2047 में भारत एक विकसित राष्ट्र होगा। योगी ने पिछले आठ वर्ष में राज्य में सुरक्षा व्यवस्था, कानून-व्यवस्था और विकास का सिलसिलेवार ब?यौरा देते हुए दावा किया कि आज प्रदेश में निवेश चारों ओर से आ रहा है और हर जिले में उद्योग लग रहे हैं। साढ़े सात लाख युवाओं को हम इसमें नौकरी दे चुके हैं। इस कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के मंत्री राकेश सचान, राज्य मंत्री सौमेंद्र तोमर व दिनेश खटीक और मेरठ के सांसद अरुण गोविल और डॉक्टर लक्ष्मीकांत वाजपेयी समेत कई प्रमुख लोग मौजूद थे।

एक परिवार के तीन लोगों की हत्या, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने पारदर्शी जांच के दिए आदेश

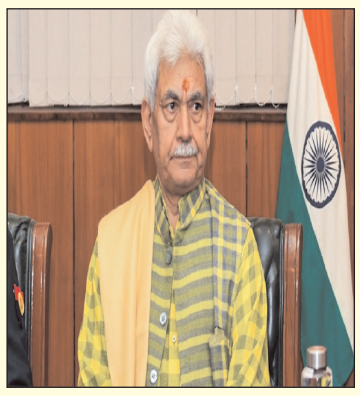

कश्मीर, 09 मार्च। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले की बिलावर तहसील के एक सुदूर इलाके में एक परिवार के तीन लोगों की हत्या के मामले में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने विस्तृत और पारदर्शी जांच के आदेश दे दिए हैं। पुलिस के मुताबिक, 15 वर्षीय वरुण सिंह और उसके 32 वर्षीय चाचा योगेश सिंह, तथा 40 वर्षीय दर्शन सिंह के शव शनिवार को जिले के सुदूर मल्हार इलाके के इशु नाले से बरामद हुए। तीनों 5 मार्च को लापता हो गए थे।

उपराज्यपाल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'मैंने विस्तृत और पारदर्शी जांच के आदेश दिए हैं और परिवारों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान की जाएगी।' उन्होंने कहा कि वह तीनों की नृशंस हत्या से स्तब्ध और दुखी हैं। सिन्हा ने कहा, 'मैं लोगों को आश्वासन देता हूं कि अपराधियों को जल्द से जल्द न्याय के कठघरे में लाया जाएगा। न्याय होगा और जवाबदेही तय की जाएगी।' उन्होंने मृतकों के परिजनों और दोस्तों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले की बिलावर तहसील के एक सुदूर इलाके में तीन नागरिकों की हत्या में रविवार को आतंकवादियों की संलिप्तता की ओर इशारा किया। उधमपुर संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले मंत्री ने एक्स पर कहा, 'कठुआ जिले के बानी इलाके में आतंकवादियों द्वारा तीन लोगों की नृशंस हत्या बेहद दुखद और चिंताजनक है। एक शांतिपूर्ण क्षेत्र में माहौल खराब करने के पीछे कोई गहरी साजिश नजर आ रही है। उन्होंने कहा, 'हमने इस मामले पर संबंधित अधिकारियों से चर्चा की है। केंद्रीय गृह सचिव खुद जम्मू पहुंच रहे हैं, ताकि मौके पर जाकर स्थिति का जायजा लिया जा सके। मुझे पूरा विश्वास है कि यह सुनिश्चित किया जाएगा कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों और लोगों का विश्वास मजबूत बना रहे।' अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन यहां एक बैठक में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा कर रहे हैं। जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने हत्याओं पर शोक व्यक्त किया और कहा, 'बढ़ते अपराध चिंता का विषय हैं। उन्होंने बनी से विधायक रामेश्वर सिंह पर हुए जानलेवा हमले पर भी चिंता व्यक्त की।

भारत ने न्यूजीलैंड टीम को 4 विकेट से हराकर चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब जीता

दुबई। 12 साल का लंबा इंतजार खत्म हो गया है... भारत ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के खिताब का सूखा समाप्त कर लिया है। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम इंडिया ने रविवार को न्यूजीलैंड को चार विकेट से मात देकर खिताब अपने नाम किया। वहीं रोहित शर्मा की सेना ने दुबई हाइब्रिड मॉडल के तहत अपने सभी मैच दुबई के मैदान पर खेले और एक भी हार नहीं झेली। में तिरंगा लहराया। भारत ने न्यूजीलैंड ने फाइनल में 252 रनों का टारगेट दिया, जिसे भारत ने 49 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर चेज किया। भारत ने न्यूजीलैंड से फाइनल में हार का हिसाब बराबर कर लिया है। न्यूजीलैंड ने साल 2000 में चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में भारत को हराया था।

नारी है स्नेह का स्रोत और मांगल्य का महामंदिर

-ललित गर्ग

महिलाओं की भागीदारी को हर क्षेत्र में बढ़ावा देने और महिलाओं को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करने के लिए हर वर्ष अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। यह केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि महिलाओं के संघर्ष और उनके हक की लड़ाई की कहानी बयां करता है। इस वर्ष की थीम एक्सीलरेट एक्शन यानी ह्यकार्रवाई में तेजी लाना और तेजी से कार्य करना रखी है। यह थीम हमें बताती है कि महिलाओं को अपने ऊपर बहुत मेहनत और तेजी से काम करने की जरूरत हैं। यह लोगों, सरकारों और संगठनों को महिलाओं के उत्थान, समान अवसर प्रदान करने और भेदभाव समाप्त करने की दिशा में सक्रिय कदम उठाने के लिए प्रेरित करती है। इस दिवस का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की उपलब्धियों को सम्मानित करना और लैंगिक समानता के प्रति जागरूकता फैलाना भी है। यह दिन महिलाओं के सशक्तिकरण, समाज, अर्थव्यवस्था, संस्कृति और राजनीति में उनके योगदान को पहचान दिलाने के साथ-साथ उनके अधिकारों और अवसरों की वकालत करता है। परिवार, समाज, देश एवं दुनिया के विकास में जितना योगदान पुरुषों का है, उतना ही महिलाओं का है।

नया भारत-सशक्त भारत-विकसित के निर्माण की प्रक्रिया में महिलाएं घर परिवार की चार दीवारों को पार करके राष्ट्र निर्माण में अभूतपूर्व योगदान दे रही हैं। दिल्ली एवं पश्चिम बंगाल में महिला मुख्यमंत्री हो या केन्द्र में वित्तमंत्री, खेल जगत से लेकर मनोरंजन जगत तक और राजनीति से लेकर सैन्य व रक्षा तक में महिलाएं बड़ी भूमिका में हैं। जरूरत सम्पूर्ण विश्व में नारी के प्रति उपेक्षा एवं प्रताड़ना को समाप्त करने की है। इस दिवस की सार्थकता तभी है जब महिलाओं का विकास में सहभागी ही न बनाये बल्कि उनके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौंचने की वीभत्सताओं एवं त्रासदियों पर विराम लगे, ऐसा वातावरण बनाये। बीसवीं सदी की शुरूआत में महिलाओं ने अपने अधिकारों और बेहतर कार्य स्थितियों की मांग शुरू की थी। 1908 में न्यूयॉर्क में पन्द्रह हजार महिलाओं ने उचित वेतन और मतदान अधिकारों की मांग करते हुए मार्च निकाला। 1909 में अमेरिका ने पहली बार राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। 1910 में, जर्मन कार्यकर्ता क्लारा जेटकिन ने इसे एक अंतरराष्ट्रीय आयोजन बनाने का सुझाव दिया। 1911 में कई देशों में पहली बार अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। 1917 में, रूस की महिलाओं ने हड़ताल कर बेहतर परिस्थितियों की मांग की, जिससे 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मान्यता मिली। संयुक्त राष्ट्र ने 1975 में इसे औपचारिक रूप से मान्यता दी, जिससे यह एक महत्वपूर्ण वैश्विक आयोजन बन गया। यह दिवस केवल जश्न का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का भी दिन है। यह हमें याद दिलाता है कि जब तक लैंगिक समानता पूरी तरह हासिल नहीं होती, तब तक यह संघर्ष जारी रहेगा।

महिलाओं से जुड़े मामलों जैसे महिलाओं की स्थिति, कन्या भ्रूण हत्या की बढ़ती घटनाएं, लड़कियों की तुलना में लड़कों की बढ़ती संख्या, गांवों में महिला की अशिक्षा एवं शोषण, महिलाओं की सुरक्षा, महिलाओं के साथ होने वाली बलात्कार की घटनाएं, अश्लील हरकतें और विशेष रूप से उनके खिलाफ होने वाले अपराध को एक बार फिर चर्चा में लाकर यह दिवस एक सार्थक वातावरण का निर्माण करने की आवश्यकता को व्यक्त करता है। जन-चेतना के एक टीस से मन में उठती है कि आखिर नारी कब तक भोग की वस्तु बनी रहेगी? उसका जीवन कब तक खतरों से घिरा रहेगा? बलात्कार, छेड़खानी, भ्रूण हत्या और दहेज की धधकती आग में वह कब तक भस्म होती रहेगी? कब तक उसके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौचा जाता रहेगा? विडम्बनापूर्ण तो यह है कि महिला दिवस जैसे आयोजन भी नारी को उचित सम्मान एवं गौरव दिलाने की बजाय उनका दुरुपयोग करने के माध्यम बनते जा रहे हैं। शताब्दियों से चली आ रही अर्थहीन परम्पराओं और आत्महीनता के मनोभावों को निरस्त करने के लिए प्रतिरोधात्मक चेतना का विकास करना नितांत अपेक्षित है। नारी केवल एक शब्द नहीं, बल्कि संपूर्ण सृष्टि का आधार है। वह जीवनदायिनी है, प्रेम की मूर्ति और रिश्ते संवारने वाली शक्ति है। भारतीय संस्कृति में नारी को शक्ति, ममता, और त्याग का स्वरूप माना गया है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, फिर भी कई चुनौतियां उनके सामने खड़ी हैं। समाज में आज भी घरेलू हिंसा, लैंगिक भेदभाव, शिक्षा में असमानता, दहेज प्रथा, बाल विवाह जैसी बुराइयां मौजूद हैं। अगर हम किसी समाज को मजबूत बनाना चाहते हैं, तो सबसे पहले हमें महिलाओं को सशक्त बनाना होगा।

महिला सशक्तिकरण का अर्थ है महिलाओं को उनके अधिकार, शिक्षा, रोजगार और स्वतंत्रता देना ताकि वे अपने जीवन को अपनी शर्तों पर जी सकें। जब तक स्त्री की अन्याय के प्रति विद्रोही चेतना का जागरण नहीं होता, वह अपने अस्तित्व को सही रूप में नहीं समझ सकती। उसे अपने परम्परागत महत्व एवं शक्ति को समझना होगा, वैदिक परंपरा दुर्गा, सरस्वती, लक्ष्मी के रूप में, बौद्ध अनुयायी चिरंतन शक्ति प्रज्ञा के रूप में और जैन धर्म में श्रुतदेवी और शासनदेवी के रूप में नारी की आराधना होती रही है। लोक मान्यता के अनुसार मातृ वंदना से व्यक्ति को आयु, यश, स्वर्ग, कीर्ति, पुण्य, बल, लक्ष्मी पशुधन, सुख, धनधान्य आदि प्राप्त होता है, फिर क्यों नारी की अवमानना होती है? नारी धरती की धुरा है। स्नेह का स्रोत है। मांगल्य का महामंदिर है। परिवार की पीढ़िका है। पवित्रता का पैगाम है। उसके स्नेहिल साए में जिस सुरक्षा, शीतलता और शांति की अनुभूति होती है वह हिमालय की हिमशिलाओं पर भी नहीं होती। नारी जाति के अलंकरण हैं-सादगी और सात्विकता। सत्यं, शिवं सुंदरं की समन्विति कृत्रिम संसाधनों से नहीं, अनंत स्तेज को निखारने से हो सकती है। सुप्रसिद्ध कवयित्रि महादेवी वर्मा ने ठीक कहा था-ह्यनारी सत्यं, शिवं और सुंदर का प्रतीक है। उसमें नारी का रूप ही सत्य, वात्सल्य ही शिव और ममता ही सुंदर है। इन विलक्षणताओं और आदर्श गुणों को धारण करने वाली नारी फिर क्यों बार-बार छली जाती है, लूटी जाती है?

महिलाओं के युग बनते बिगड़ते रहे हैं। कभी उनको विकास की खुली दिशाओं में पूरे वेग के साथ बढ़ने के अवसर मिले हैं तो कभी उनके एक-एक कदम को संदेह के नागों ने रोका है। कभी उन्हें पूरी सामाजिक प्रतिष्ठा मिली है तो कभी वे समाज के हाशिये पर खड़ी होकर स्त्री होने की विवशता को भोगती रही है। कभी वे परिवार के केंद्र में रहकर समग्र परिवार का संचालन करती हैं तो कभी अपने ही परिवार में उपेक्षित और प्रताड़ित होकर निष्क्रिय बन जाती है। इन विसंगतियों में संगति बिठाने के लिए महिलाओं को एक निश्चित लक्ष्य की दिशा में प्रस्थान करना होगा। बदलते परिवेश में आधुनिक महिलाएं मैथिलीशरण गुप्त के इस वाक्य-ह्यआँचल में है दूधह्न को सदा याद रखें। उसकी लाज को बचाएँ रखें। एक ऐसा सेतु बने जो टूटते हुए को जोड़ सके, रुकते हुए को मोड़ सके और गिरते हुए को उठा सके। नन्हे उगते अंकुरों और पौधों में आदर्श जीवनशैली का अभिसिंचन दें ताकि वे शतशाखी वृक्ष बनकर अपनी उपयोगिता साबित कर सकें। यत्र पूज्यंते नार्यस्तु तत्र रमन्ते देवता- जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। किंतु आज हम देखते हैं कि नारी का हर जगह अपमान होता चला जा रहा है। उसे भोग की वस्तु समझकर आदमी ह्यअपने तरीके से इस्तेमाल कर रहा है, यह बेहद चिंताजनक बात है।

कानून का संरक्षण नहीं मिलने से औरत संघर्ष के अंतिम छोर पर लड़ाई हारती रही है। इसीलिये आज की औरत को हाशिया नहीं, पूरा पृष्ठ चाहिए। पूरे पृष्ठ, जितने पुरुषों को प्राप्त हैं। प्राचीन काल में भारतीय नारी को विशिष्ट सम्मान दिया जाता था। सीता, सती-सावित्री आदि अगणित भारतीय नारियों ने अपना विशिष्ट स्थान सिद्ध किया है। इसके अलावा अंग्रेजी शासनकाल में भी रानी लक्ष्मीबाई, चाँद बीबी आदि नारियाँ जिन्होंने अपनी सभी परंपराओं आदि से ऊपर उठ कर इतिहास के पन्नों पर अपनी अमिट छाप छोड़ी। लेकिन समय परिवर्तन के साथ साथ देखा गया की देश पर अनेक आक्रमणों के पश्चात भारतीय नारी की दशा में भी परिवर्तन आने लगे। अंग्रेजी और मुस्लिम शासनकाल के आते-आते भारतीय नारी की दशा अत्यंत चिंतनीय हो गई।

फिर हुआ बेटियों का कत्ल, बढ़ रहे है लिव इन के नतीजे

अशोक भाटिया

कुछ समय पहले एक खबर खूब चर्चा में रही कि आफताब नाम के एक युवक ने अपनी लिव-इन पार्टनर श्रद्धा की हत्या करके उसके शव को 35 टुकड़ों में काटकर अलग-अलग जगहों पर फेंक दिया। श्रद्धा वॉकर हत्याकांड की चिंगारी बुझी नहीं थी कि मुंबई से एक और दिल दहला देने वाला मामला सामने आ गया। यहां पर रहने वाले मनोज साने ने अपनी लिव-इन पार्टनर सरस्वती वैद्य की हत्या करके, उसके शव के टुकड़े ही नहीं किए, बल्कि शव के टुकड़ों को प्रेशर कुकर में उबाल डाला। वहीं, एक अन्य जगह लिव-इन पार्टनर द्वारा शादी से मना करने के बाद प्रेमिका ने आत्महत्या कर लिया। ऐसी एक-दो नहीं बल्कि अनगिनत घटनाएं हैं जिन्हें आप और हम चाय की चुस्की लेते हुए सरसरी नजर से पढ़कर एक किनारे कर देते हैं। यहां तक कि हम ऐसी मौतों पर दुख भी नहीं जताते। मैंने कई बार अपने आस-पास लोगों को यह कहते हुए सुना है कि ऐसी चरित्रहीन लड़कियों के साथ ऐसा ही होता है। जबकि हम यह भूल जाते हैं की जिस तरह से भारत में लिव-इन-रिलेशनशिप का चलन बढ़ रहा है, कल को इसी परिस्थिति में हमारे घर के बेटे या बेटियाँ भी हो सकते हैं।

याद हो कि जब दिल्ली के नजफगढ़ में ही 22 वर्षीय निक्की यादव की हत्या ने देश को झकझोर कर रख दिया था। दिल्ली पुलिस ने नजफगढ़ के मित्राओं गांव के बाहरी इलाके में एक ढाबे में अपनी 22 वर्षीय लिव-इन पार्टनर की हत्या करने और उसके शव को फ्रिज में रखने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। सूत्रों के अनुसार, मृतका की पहचान निक्की यादव के रूप में हुई है, जिसे उसके प्रेमी साहिल गहलोत (24) ने कश्मीरी गेट आईएसबीटी के पास 9 और 10 फरवरी की दरमियानी रात को गला घोंटकर मार डाला था। आरोपी ने कथित तौर पर अपने मोबाइल के डेटा केबल का इस्तेमाल किया था। महिला का गला घोंटने के लिए उसकी कार में। बाद में उसी दिन उसने दूसरी महिला से शादी कर ली।

साहिल की कहानी आफताब पूनावाला से मिलती-जुलती है, जिसने पिछले साल मई में गुस्से में श्रद्धा वाकर की गला दबाकर हत्या कर दी थी। पूनावाला ने महरौली के एक जंगल में शरीर के अंगों का निपटान करने से पहले वाकर के शरीर को 35 टुकड़ों में तोड़ दिया और उन्हें 300 लीटर रेफ्रिजरेटर में जमा कर दिया।

बताया जाता है निक्की ने तो 10 फरवरी की सुबह गोवा जाने के लिए रेल की टिकट भी बुक करा रखी थी यानी जिस दिन साहिल की शादी थी उसी दिन दोनों गोवा जाने वाले थे लेकिन ठीक एक दिन पहले निक्की को साहिल की सगाई होने की खबर मिली। इस पर निक्की ने साहिल को उत्तम नगर में उस घर में बुलाया और सगाई के बारे में पूछा। इस पर साहिल ने कहा कि ना तो उसकी सगाई हुई है और ना ही 10 फरवरी को उसकी शादी है। निक्की को अपनी बात का यकीन दिलाने के लिए साहिल पहले उसे निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन लाया। निक्की अपने सामान के साथ गई लेकिन साहिल कोई सामान नहीं ले गया। वहां पहुंचकर साहिल ने बताया कि उसकी टिकट कन्फर्म नहीं हुई है इसलिए उसने निक्की से हिमाचल जाने की बात कही।

इसके बाद दोनों निजामुद्दीन से कश्मीरी गेट बस अड्डे आए। जिस कार में ये दोनों लोग थे वो साहिल के भाई की थी। इस दौरान भी दोनों के बीच सगाई और शादी को लेकर झगड़ा बढ़ गया। साहिल ने कार में ही डेटा केबल से निक्की का गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस को शक है कि साहिल ने निक्की को बहलाने के लिए गोवा जाने का प्लान बनाया था क्योंकि साहिल को मालूम था कि अगले दिन उसकी शादी है इसलिए पुलिस को लगता है कि साहिल मर्डर का प्लान बनाकर ही निक्की को कार में ले गया था।

आखिर ऐसी नौबत कैसे आई कि करीब पांच साल तक एक साथ लिव-इन में रहने वाले साहिल को अपनी मंगनी वाले दिन मर्डर करना पड़ा। दरअसल, हुआ ये कि निक्की के घरवालों को तो अपनी बेटी के अफेयर के बारे में, उसके लिव इन में रहने का पता नहीं था। सिर्फ निक्की की बहन जानती थी लेकिन उसने भी घरवालों को नहीं बताया था। वहीं, साहिल के घर वाले इस रिश्ते के बारे में जानते थे और उन्हें ये सख्त नापसंद था। आखिरकार घरवालों की मर्जी के सामने साहिल ने हथियार डाल दिए और वो शादी के लिए तैयार हो गया।

एक वक्त था जब लिव-इन रिलेशन को वेस्टर्न कल्चर यानी पाशचात्य संस्कृति का हिस्सा माना जाता था और भारत में इस तरह के ना के बराबर रिश्ते ही नजर आते थे, लेकिन पिछले कुछ सालों में यहां भी लिव-इन रिलेशिप तेजी से बढ़े हैं। खासकर शहरों में युवाओं के बीच बिना शादी के एक साथ रहना बढ़ता जा रहा है। ऐसे रिश्ते में लोग रूम शेयर करते हैं, बेड शेयर करते हैं। प्यार मोहब्बत भी होती और सेक्स भी, लेकिन नहीं होता तो कमिटमेंट और यही वजह है कि ऐसे रिश्तों में बढ़ रहा है क्राइम। लिव-इन रिलेशन में सामने आ रही हैं मर्डर की घटनाएं। पिछले करीब एक दो महीनों में ही देश में कई ऐसे मामले सामने आए हैं जहां लिव इन पार्टनर ने लड़की की जान लि हैं।

दिल्ली के रोहिणी में संजय नाम के एक शख्स पर अपनी लिव-इन पार्टनर के कत्ल के आरोप लगे हैं। संजय और पूनम पिछले एक महीने से साथ में रह रहे थे। दरअसल आगरा की रहने वाली पूनम शादीशुदा थी, लेकिन बावजूद इसके उसका संजय के साथ अफेयर चल रहा था। पूनम के पति और परिवारवालों को इस बात की जानकारी थी। एक महीने पहले वो संजय के साथ रहने के लिए उसके फ्लैट में आ गई। दोनों साथ रहने लगे, लेकिन तीन दिन पहले फ्लैट में पूनम की लाश मिली। संजय फरार हो चुका था। मकान मालिक की शिकायत पर पुलिस ने जब दरवाजा खोला तो अंदर पूनम का शव पड़ा था। सिर्फ एक महीने में ही संजय ने अपनी लिव-इन पार्टनर की जान ले ली। दिसंबर महीने में ही दिल्ली के तिलक नगर में भी लिव-इन पार्टनर की हत्या का मामला सामने आया था। मनप्रीत नाम का एक शख्स 35 साल की रेखा के साथ उसके फ्लैट में रह रहा था। रेखा की 16 साल की एक बेटी भी थी। एक दिसंबर के दिन रेखा की बेटी अपने कजिन के घर गई थी। वो अपनी मां को फोन लगा रही थी, लेकिन मां ने फोन नहीं उठाया। वो घर गई तो घर में ताला बंद था। इसके बाद उसने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने ताला तोड़ा तो अंदर रेखा की लाश पड़ी थी। रेखा को बड़ी ही बेरहमी से मारा गया था। चाकू से उसके चेहरे पर वार किए गए थे और उसकी उंगलियों को भी काट दिया गया था। मनप्रीत और रेखा 7 सालों से लिव-इन रिलेशन में थे। पिछले कुछ समय से दोनों के बीच अक्सर झगड़े होते थे। रेखा मनप्रीत को उसे उसके परिवार से मिलाने की जिद करती थी और मनप्रीत किसी झंझट में नहीं फंसना चाहता था। आखिरकार रेखा से छुटकारा पाने के लिए उसने उसे मौत दे दी। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के खोड़ा इलाके में रमन नाम के एक शख्स पर अपनी लिव-इन पार्टनर की हत्या के आरोप लगे हैं। रमन और दिव्या कई सालों से साथ रहे रहे थे और दोनों की एक बेटी भी है, लेकिन रमन ने इस बीच एक दूसरी लड़की से शादी कर ली। किसी और से शादी के बावजूद वो दिव्या के साथ रहता रहा। दिव्या ने जब रमन पर शादी का दवाब बनाया तो उसने उससे छुटकारा पाने का प्लान बना डाला। मई में वो दिव्या को घुमाने के बहाने शिमला ले गया और सुनसान रास्ते में उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। रमन ने शव को जंगल में फेंक दिया और वापस अपने घर आ गया। इस घटना के बाद उसने पुलिस स्टेशन जाकर लड़की के गायब होने की खबर पुलिस को दी। दिव्या के कत्ल के बाद वो आराम से अपने घर में रहता रहा। करीब 6 महीने बाद जब दिव्या के परिवारवालों ने उसके लापता होने की खबर लिखवाई तब जाकर सच सामने आया। पिछले चंद दिनों में ही लिव-इन पार्टनर की हत्या के ये दिल दहलाने वाले मामले सामने आए। ज्यादातर केस में यही देखा गया कि जब भी लड़की ने अपने पार्टनर पर शादी या कमिटमेंट का दवाब बनाया तो दूसरे पार्टनर को वो रिश्ता भारी लगने लगा और सामने मर्डर जैसी खौफनाक वारदातें। दरअसल लिव-इन रिलेशिप को लोग मौज मस्ती का एक जरिया मान रहे हैं जिसमें कोई दवाब या कमिटमेंट को नहीं चाहते। इस तरह के रिश्तों को लोग अपने परिवारवालों के सामने भी बताने से परहेज करते हैं।

कुछ बुध्दिजिवी इसे समाज का कोड़ मानने लगे हैं। अपनी कुछ राय बनाने के पहले यह जानना जरुरी है कि आखिर यह लिव-इन रिलेनशिप है क्या बला। इसको बेशक समाज में आज भी इज्जत की नजर से ना देखा जाता हो, लेकिन कानून की नजर में इसमें कुछ भी गलत नहीं है। हालांकि लिव-इन रिलेशन को लेकर कोई लिखित कानून हमारे देश में नहीं है, लेकिन कानून मौलिक अधिकार के तहत ही किसी भी दो व्यस्क को साथ रहने का अधिकार देता है इसलिए लिव-इन रिलेशनशिप को कानून की नजर में गलत नहीं ठहराया जा सकता। हालांकि लिव-इन रिलेशन में महिला को वो अधिकार नहीं मिलते जो एक पत्नी को होते हैं। महिला अपने पार्टनर की प्रॉपर्टी की हकदार नहीं मानी जा सकती।

बताया जाता है कि यदि लिव-इन रिलेशनशिप से अगर बच्चा होता है तो उसे जायज माना जाएगा। कानून उसे वो सारे हक मिलेंगे जो शादीशुदा कपल के बच्चों को मिलते हैं। बच्चे का अपने पिता की प्रॉपर्टी पर भी उतना ही हक होगा जितना दूसरे बच्चों का। लिव-इन रिलेशिप को लेकर बेशक भारत में कोई लिखित कानून न बना हो, लेकिन इस तरह के रिलेशन में अगर हिंसा का मामला सामने आता है तो उसके खिलाफ महिला अपनी शिकायत दर्ज करवा सकती है। प्रोटेक्शन ऑफ वूमन फ्रॉम डोमेस्टिक वायलेंस एक्ट 2005 की धारा 2F में जो बातें शामिल हैं वो सारी बातें लिव-इन रिलेशिप पर भी लागू होती हैं। यानी अगर कोई महिला अपने लिव-इन पार्टनर के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाती है तो उसे कानून सही माना जाएगा। शायद इसी कारण महिलाओं का अपने हक को मांगने का अधिकार के कारण पुरुष प्रेमी डर जाते है व वह अपने पार्टनर की हत्या कर देता है पर वो नहीं जानता कि ऐसे मामले ज्यादा दिन नहीं छुपते जैसे श्रद्धा हत्याकांड में हुआ था। हत्या के 6 महीने बाद भी हत्यारा पकड़ा गया था।

हारे का सहारा हैं खाटू के श्री श्याम

-रमेश सर्राफ धमोरा

11 मार्च मेले पर विशेष

राजस्थान के सीकर जिले में स्थित खाटू श्याम मंदिर बाबा श्याम जी के लिए प्रसिद्ध है। यह मंदिर भारत के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में गिना जाता है। खाटू श्याम जी को भगवान श्रीकृष्ण का कलयुगी अवतार माना जाता है। दानशीलता के कारण बर्बरीक ने बिना किसी सवाल के अपना शीश भगवान श्री कृष्ण को दान दे दिया। इसी दानशीलता के कारण श्री कृष्ण ने कहा कि तुम कलयुग में मेरे नाम से पूजे जाओगे। तुम कलयुग का अवतार कहलाओगे और हारे का सहारा बनोगे। इसलिए उन्हें हारे का सहारा भी कहा जाता है। खाटू श्याम जी के मंदिर में दर्शन के लिए हर दिन लाखों भक्त आते हैं। यहां फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की द्वादशी को श्याम बाबा का विशाल वार्षिक मेला भरता है। जिसमें देश-विदेशों से आये करीबन 30 लाख श्रद्धालु शामिल होते हैं। खाटू श्याम का मेला राजस्थान के बड़े मेलों में से एक है।

इस मंदिर में भीम के पौत्र और घटोत्कच के पुत्र बर्बरीक की श्याम यानी कृष्ण के रूप में पूजा की जाती है। इस मंदिर के लिए कहा जाता है कि जो भी इस मंदिर में जाता है उन्हें श्याम बाबा का नित नया रूप देखने को मिलता है। कई लोगों को तो इस विग्रह में कई बदलाव भी नजर आते है। कभी मोटा तो कभी दुबला। कभी हंसता हुआ तो कभी ऐसा तेज भरा कि नजरें भी नहीं टिक पातीं। श्याम बाबा का धड़ से अलग शीष और धनुष पर तीन वाण की छवि वाली मूर्ति यहां स्थापित की गईं। कहते हैं कि मन्दिर की स्थापना महाभारत युद्ध की समाप्ति के बाद स्वयं भगवान कृष्ण ने अपने हाथों की थी।

श्याम बाबा की कहानी महाभारत काल से आरम्भ होती है। वे पहले बर्बरीक के नाम से जाने जाते थे तथा भीम के पुत्र घटोतकच और नाग कन्या अहिलवती के पुत्र थे। बाल्यकाल से ही वे बहुत वीर और महान योद्धा थे। उन्होने युद्ध कला अपनी मां से सीखी। भगवान शिव की घोर तपस्या करके उन्हें प्रसन्न किया और उनसे तीन अभेध्य बाण प्राप्त कर तीन बाणधारी के नाम से प्रसिद्ध हुये। अग्नि देव ने प्रसन्न होकर उन्हें धनुष प्रदान किया जो उन्हें तीनो लोकों में विजयी बनाने में समर्थ थे। कौरवों और पाण्डवों के मध्य महाभारत युद्ध का समाचार बर्बरीक को प्राप्त हआ तो उनकी भी युद्ध में सम्मिलित होने की इच्छा जागृत हुयी। जब वे अपनी मां से आशीर्वाद प्राप्त करने पहुंचे तब मां को हारे हुये पक्ष का साथ देने का वचन दिया। महाभारत के युद्ध में भाग लेने के लिये वे अपने नीले रंग के घोडे पर सवार होकर धनुष व तीन बाणों के साथ कुरूक्षेत्र की रणभूमि की और अग्रसर हुये।

भगवान कृष्ण ने ब्राह्मण वेश धारण कर बर्बरीक से परिचित होने के लिये उसे रोका और यह जानकर उनकी हंसी भी उड़ायी कि वह मात्र तीन बाण से युद्ध में सम्मिलित होने आया है। ऐसा सुनने पर बर्बरीक ने उत्तर दिया कि मात्र एक बाण शत्रु सेना को ध्वस्त करने के लिये पर्याप्त है और ऐसा करने के बाद बाण वापिस तरकस में ही आयेगा। यदि उन्होने तीनो बाणों को प्रयोग में ले लिया गया तो तीनो लोकों में हाहाकार मच जायेगा। इस पर कृष्ण ने उन्हें चुनौती दी की इस पीपल के पेड के सभी पत्रों को छेद कर दिखलाओ। जिसके नीचे दोनो खड़े थे। बर्बरीक ने चुनौती स्वीकार की और अपने तुणीर से एक बाण निकाला और ईश्वर को स्मरण कर बाण पेड़ के पत्तो की और चलाया।

तीर ने क्षण भर में पेड के सभी पत्तों को भेद दिया और कृष्ण के पैर के इर्द-गिर्द चक्कर लगाने लगा। क्योंकि एक पत्ता उन्होनें अपने पैर के नीचे छुपा लिया था। तब बर्बरीक ने कृष्ण से कहा कि आप अपने पैर को हटा लीजिये वर्ना ये आपके पैर को चोट पहुंचा देगा। कृष्ण ने बालक बर्बरीक से पूछा कि वह युद्ध में किस और से सम्मिलित होगा तो बर्बरीक ने अपनी मां को दिये वचन दोहराते हुये कहा कि वह युद्ध में निर्बल और हार की और अग्रसर पक्ष की तरफ से भाग लेगा। कृष्ण जानते थे कि युद्ध में हार तो कौरवों की ही निश्चित है। अगर बर्बरीक ने उनका साथ दिया तो परिणाम उनके पक्ष में ही होगा।

ब्राह्मण बने कृष्ण ने बालक बर्बरीक से दान की अभिलाषा व्यक्त की। इस पर वीर बर्बरीक ने उन्हें वचन दिया कि अगर वो उनकी अभिलाषा पूर्ण करने में समर्थ होगा तो अवश्य करेगा। कृष्ण ने उनसे शीश का दान मांगा। बालक बर्बरीक क्षण भर के लिये चकरा गया परन्तु उसने अपने वचन की दृढ़ता जतायी। बालक बर्बरीक ने ब्राह्मण से अपने वास्तिवक रूप में आने की प्रार्थना की और कृष्ण के बारे में सुन कर बालक ने उनके विराट रूप के दर्शन की अभिलाषा व्यक्त की। तब कृष्ण ने उन्हें अपना विराट रूप दिखाया।

उन्होने बर्बरीक को समझाया कि युद्ध आरम्भ होने से पहले युद्धभूमि की पूजा के लिये एक वीर क्षत्रिय के शीश के दान की आवश्यक्ता होती है। उन्होनें बर्बरीक को युद्ध में सबसे बड़े वीर की उपाधि से अलंकृत कर उनका शीश दान में मांगा। बर्बरीक ने उनसे प्रार्थना की कि वह अंत तक युद्ध देखना चाहता है। श्री कृष्ण ने उनकी यह बात स्वीकार कर ली। फाल्गुन माह की द्वादशी को उन्होनें अपने शीश का दान दिया। उनका सिर युद्धभूमि के समीप ही एक पहाड़ी पर सुशोभित किया गया जहां से बर्बरीक सम्पूर्ण युद्ध का जायजा ले सकते थे।

युद्ध की समाप्ति पर पांडवों में ही आपसी खींचाव हुआ कि युद्ध में विजय का श्रेय किसको जाता है। इस पर कृष्ण ने उन्हें सुझाव दिया कि बर्बरीक का शीश सम्पूर्ण युद्ध का साक्षी है। उससे बेहतर निर्णायक भला कौन हो सकता है। सभी इस बात से सहमत हो गये। बर्बरीक के शीश ने उत्तर दिया कि कृष्ण ही युद्ध मे विजय प्राप्त कराने में सबसे महान पात्र हैं। उनकी शिक्षा, उनकी उपस्थिति, उनकी युद्धनीति ही निर्णायक थी। उन्हें युद्धभूमि में सिर्फ उनका सुदर्शन चक्र घूमता हुआ दिखायी दे रहा था जो कि शत्रु सेना को काट रहा था। महाकाली दुर्गा कृष्ण के आदेश पर शत्रु सेना के रक्त से भरे प्यालों का सेवन कर रही थी।

कृष्ण वीर बर्बरीक के महान बलिदान से काफी प्रसन्न हुये और वरदान दिया कि कलियुग में तुम श्याम नाम से जाने जाओगे, क्योंकि कलियुग में हारे हुये का साथ देने वाला ही श्याम नाम धारण करने में समर्थ होगा। ऐसा माना जाता है कि एक बार एक गाय उस स्थान पर आकर अपने स्तनों से दुग्ध की धारा स्वतरू ही बहा रही थी बाद में खुदायी के बाद वह शीश प्रकट हुआ। एक बार खाटू के राजा को स्वप्न में मन्दिर निर्माण के लिये और वह शीश मन्दिर में सुशोभित करने के लिये प्रेरित किया गया। तदन्तर उस स्थान पर मन्दिर का निर्माण किया गया और कार्तिक माह की एकादशी को शीश मन्दिर में सुशोभित किया गया, जिसे बाबा श्याम के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है। मूल मंदिर 1027 ई. में रूपसिंह चैचौहान और उनकी पत्नी नर्मदा कंवर द्वारा बनाया गया था। मारवाड़ के शासक ठाकुर के दीवान अभय सिंह ने ठाकुर के निर्देश पर 1720 ई0 में मंदिर का जीर्णोद्धार कराया। मंदिर इस समय अपने वर्तमान आकार ले लिया और मूर्ति गर्भगृह में प्रतिष्ठापित किया गया था। मूर्ति दुर्लभ पत्थर से बनी है।

प्रशासन यहां की व्यवस्था को लेकर पूरा सजग है। जिला प्रशासन व मंदिर प्रबंध कमेटी ने मिलकर खाटू श्याम मंदिर परिक्षेत्र में कई नई सुविधाओं को प्रारंभ किया है। यहां के आम रास्तों को 40 फीट तक चौड़ा किया गया है। मंदिर में दर्शन करने की व्यवस्था में भी आमूलचूल परिवर्तन किया गया है। इससे मंदिर में दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं को काफी सुविधा हो रही है। सरकार ने यहां के मंदिर परिसर क्षेत्र के विकास की घोषणा की है। जिसका लाभ भी श्रद्धालुओं को ही मिलेगा।

बदजुबान नेताओं का करें बहिष्कार?

-तनवीर जाफरी

भारत को विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में जाना जाता है। लोकतंत्र एक ऐसी शासन प्रणाली है जिसमें लोग अपने चुने हुए प्रतिनिधियों को वोट देकर एक ऐसी सरकार चुनते हैं जिस में सभी को समान अधिकार होते हैं। लोकतंत्र समानता, भागीदारी, और मौलिक अधिकारों के सिद्धांतों पर आधारित होता है। संक्षेप में एक लोकतान्त्रिक सरकार जनता की सरकार होती है जो जनता द्वारा,जनता के लिये चुनी जाती है। परन्तु प्रायः यही देखा गया है कि जनता की सेवा के नाम पर चुनावी पोस्टर,बैनर्स व कटआउट में हाथ जोड़े हुये वोट मांगते दिखाई देता नेता चुनाव जीतने के बाद जनता का प्रतिनिधि नहीं बल्कि जनता का 'बॉस ' बना नजर लगता है। सरकारी सुरक्षा, स्वागत,फूल-माला, जयजयकार, भाषणबाजी, अपने परिजनों व चेलों को फायदा पहुँचाना,जमकर लूट खसोट करना,दबंगई व चौधर दिखाना मंत्री बनने की जुगत भिड़ाना,यदि मंत्री हैं तो मुख्यमंत्री पद के लिये लालायित रहना उज्जवल राजनैतिक भविष्य की खातिर दल बदल की संभावनाओं को तलाशना आदि इसी तरह की 'समाजसेवा' में माननीय के 5 वर्ष बीत जाते हैं। और जनता 5 वर्षों बाद जब स्वयं को ठगा महसूस करती है तो ज्यादा से ज्यादा उसकी जगह किसी दूसरे का चुनाव कर लेती है। और वह भी अपने पूर्ववर्ती के नक़्शे कदम पर चलने लगता है।

माननीयों द्वारा जनता की जरूरतों से मुंह मोड़ने और सारा ध्यान 'अपनी जरूरतों ' को पूरा करने में लगाने का ही नतीजा है देश में बढ़ती बेरोजगारी,मंहगाई,विकास बाधित होना,बिजली पानी सड़क स्वास्थ व शिक्षा जैसी बुनियादी जरूरतें समुचित तौर से आम जनता तक न पहुँच पाना और अराजकता व कानून व्यवस्था जैसी समस्याओं का लगातार बढ़ते जाना। और जब यही स्थिति अनियंत्रित होने लगती है उस समय यही शातिर नेता जनता से वोट झटकने के लिये तरह तरह के हथकंडे अपनाते हैं। समाज को धर्म व जातियों के आधार पर विभाजित करते हैं। क्षेत्र व भाषा जैसे भावनात्मक मुद्दे उछाल कर सस्ती लोकप्रियता अर्जित करते हैं,मंदिर मस्जिद जैसे विवादों को पहले खड़ा करते हैं फिर इसे हवा देते हैं। वैज्ञानिक युग में अवैज्ञानिक तर्क देकर लोगों का ध्यान भटकते हैं। और इसी 'शातिर सियासत ' का ही एक पहलू यह भी है कि नेताओं द्वारा मतदाताओं को आकर्षित करने के लिये तरह तरह की मुफ़्त योजनायें लागू की जाती हैं। जो सरकारें या पार्टियां इन योजनाओं को स्वयं चलाती हैं वे इन योजनाओं को बेहद जरूरी व जनहितकारी बताती हैं जबकि अन्य दलों के नेताओं को ऐसी योजनायें 'मुफ़्त की रेवड़ी ' नजर आती हैं। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आम आदमी पार्टी कांग्रेस पार्टी द्वारा चलाई जा रही ऐसी योजनाओं को 'मुफ़्त रेवड़ी कल्चर ' बता चुके हैं और इससे बचने की सलाह भी दे चुके हैं।

परन्तु ऐसी योजनाएं जब केंद्र सरकार द्वारा या मध्यप्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, छत्तीसगढ़ अथवा अन्य किसी भाजपा शासित राज्य द्वारा लागू की जाती है तो वह रेवड़ी न होकर 'जरुरत ' बन जाती है। इतनी बड़ी जरुरत कि मोदी सरकार को अपनी इसी ' महान उपलब्धि' पर अपनी पीठ थपथपानी पड़ती है कि वह '80 करोड़ देशवासियों को मुफ़्त राशन बाँट रही है'। इसी वर्ग को वह मतदाताओं की 'लाभार्थी श्रेणी ' भी समझती है। यदि इस तर्क को मान लिया जाये तो यही 'मुफ़्त राशन ग्रहण ' करने वाला वर्ग उन सत्ताधीशों को उस मुकाम पर पहुंचाता है जिसके लिये वे तरह तरह के छलकपट,प्रपंच,झूठ फरेब,ध्रुवीकरण आदि सभी हथकण्डों का सहारा लेते रहते हैं। इतना ही नहीं इन्हीं 'मुफ़्त खोर ' मतदाताओं की कृपा से शीर्ष पदों पर पहुंचे ऐसे नेताओं में अहंकार भी इस कद्र भर जाता है कि जिस जनता का वोट लेते समय यह अवसरवादी व स्वार्थी नेता इन्हें 'जनता जनार्दन' यानी जनता के रूप में ईश्वर कहकर सम्बोधित करते हैं इन्हीं नेताओं द्वारा इसी जनता को 'भिखारी' कहने में भी इन्हें कोई हिचकिचाहट नहीं होती। जबकि स्वयं प्रधानमंत्री मोदी हर भारतवासी को 'ईश्वर का अंश' बता चुके हैं। परन्तु ईश्वर रुपी जनता जनार्दन का ऐसा ही अपमान पिछले दिनों पूर्व केंद्रीय मंत्री व वर्तमान में मध्य प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल द्वारा करते सुना गया। उन्होंने एक सभा में कहा कि अब तो सरकार से भीख मांगने की आदत लोगों को पड़ गई है। नेता आते हैं तो उनको एक टोकरी कागज मिलते हैं। मंच पर माला पहनाएंगे और पत्र पकड़ा देंगे... यह अच्छी आदत नहीं है। लेने के बजाय देने की मानसिकता बनाइए। भिखारियों की फौज इकट्ठा करने से यह समाज मजबूत नहीं होगा। यह समाज को कमजोर करना है। ' भिखारी ' शब्द के सन्दर्भ में यहाँ यह वर्णित करना भी जरूरी है कि हमारे देश के 'यशस्वी प्रधानमंत्री' स्वयं अपने कई साक्षात्कार में बता चुके हैं कि उन्होंने 35 /40 वर्षों तक भीख मांगकर अपना जीवन गुजारा है। जिस भीख की बात मोदी जी करते हैं उस भीख का अर्थ तो है कि खुद बिना मेहनत किये दूसरों की कमाई खाना । परन्तु यदि आप जनता के टैक्स के पैसों से जनता के लाभ के लिये कोई योजनाएं लाते हैं तो वह भीख कैसे हो गयी ? और यदि यह भीख है तो जनता के इन्हीं पैसों से सत्ताधीशों व निर्वाचित सदस्यों का ऐश करना,इन्हीं पैसों से अपनी सुरक्षा पर खर्च करना,तमाम तरह की सब्सिडी लेना निर्वाचित होते ही फर्श से अर्श पर पहुँच जाना,कर्ज मुक्त हो जाना,रातोंरात धन पति बन जाना यह सब क्या है ? एक और बात, हमारे देश में एक विशेष समुदाय बल्कि 'अति विशेष व सम्मानित ' समुदाय ऐसा भी है जो बड़े गर्व से यह कहता है कि भिक्षा माँगना हमारे संस्कारों में शामिल है। इसके अलावा स्वयं को पुण्यार्थी समझने वाले दानदाताओं ने ही पूरे भारत में भिखारियों की लंबी फौज बना दी है। हमारे धर्म प्रधान देश का शायद ही कोई ऐसा धर्म स्थान हो जहां भिखारी डेरा न जमाये रहते हों।

परन्तु यदि जनता अपने क्षेत्र की समस्याओं से संबंधित मांगपत्र अपने निर्वाचित प्रतिनिधि या राज्य के मंत्री को सौंपती है तो यह तो उसका अधिकार है ? अपने या प्रदेश के 'जनसेवक ' से अपनी समस्याएं सांझी नहीं करेगी तो किस से करेगी ? आपको विधायक मंत्री बनाया किस लिये गया है ? आप आखिर हैं किस मर्ज की दवा? क्या जनता के टैक्स के पैसों पर मुफ़्तखोरी करने का अधिकार केवल ऐसे माननीयों का ही है जो जनता को वोट मांगते समय 'भगवान ' और मंत्री बनने के बाद 'भिखारी ' बताने लगे ? जनता का अपमान करने वाले ऐसे बदजुबान, खुदगर्ज,अहंकारी व सत्ताभोगी नेताओं से न केवल सचेत रहने बल्कि इनका बहिष्कार करने की भी सख़्त जरुरत है।

सेवा परमोधर्म : डॉ. वैशाली भिडे का नि:स्वार्थ समर्पण

मुंबई (उत्तरशक्ति)। कुर्ला (प.), रविवार: सेवा परमोधर्म के महान उद्देश्य को आत्मसात करते हुए, डॉ. वैशाली अशोक भिडे (टऊ होम्योपैथी) हर महीने के प्रथम और तृतीय रविवार को माँ शीला चैरिटी क्लिनिक, कुर्ला (प.), मुंबई में दोपहर 12:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक अपनी निःस्वार्थ सेवाएं प्रदान करती हैं। रविवार को डॉ. वैशाली भिडे ने करीब 40 मरीजों का निःशुल्क उपचार किया, जिससे एक बार फिर उन्होंने अपने समर्पण और समाज सेवा की मिसाल पेश की। उल्लेखनीय है कि वह न तो मरीजों से और न ही मनराज प्रतिष्ठान से किसी प्रकार का शुल्क लेती हैं। उनका यह सेवा भाव न केवल चिकित्सा जगत बल्कि समाज के लिए भी एक प्रेरणा है। डॉ. वैशाली भिडे ने होम्योपैथी के क्षेत्र में अनेक उपलब्धियाँ हासिल की हैं और कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित की जा चुकी हैं। बावजूद इसके, वह सदैव सादगी और विनम्रता से समाज सेवा में लगी रहती हैं। उनका यह समर्पण न केवल उनके मरीजों को बल्कि युवाओं और चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों को भी प्रेरित करता है। उनकी सेवा भावना को देखते हुए समाज के लोग उनका सम्मान करते हैं और उनके इस निःस्वार्थ प्रयास की सराहना करते हैं। डॉ. वैशाली भिडे जैसी महान हस्तियां समाज के लिए एक आदर्श उदाहरण हैं, जो दिखाती हैं कि सच्ची सेवा का मार्ग ही सबसे बड़ा धर्म है।

आदिवासी पारधी समाज की समस्याओं को लेकर शिष्टमंडल ने की कैबिनेट मंत्री से मुलाकात

मुंबई (उत्तरशक्ति)। वर्तमान समय में महाराष्ट्र सरकार का बजट सत्र मुंबई में चल रहा है। ऐसे में संपूर्ण महाराष्ट्र के कोने कोने से लोगो का शिष्टमंडल विधानभवन में संबंधित विभागों के मंत्रियों और अधिकारियों से मिल रहा है। इसी कड़ी में आदिवासी पारधी महासंघ मुंबई नवी मुंबई के अध्यक्ष संतोष एकनाथ पवार एवं कार्यकताओं तथा वाशिम जिला की संगीता चव्हाण मैडम के साथ एक प्रतिनिधिमंडल ने कैबिनेट मंत्री नरहरि झिरवल से मुलाकात की। इस दौरान मुंबई प्रदेश व नवी मुंबई आदिवासी पारधी समाज के अध्यक्ष संतोष एकनाथ पवार ने मंत्री नरहरी झिरवल को मुंबई में आदिवासी पारधी समाज के पुनर्वसन के बारे में चर्चा की। इसके अलावा नई मुंबई के एमआईडीसी महापे पारधी वाडी घनसोली की झोपड़पट्टी का पुनर्वास करने तथा यहां मूलभूत सुविधाओं को मुहैया कराने के लिए ज्ञापन सौंपा। बता दें कि आदिवासी पारधी समाज आज भी अनेक समस्याओं का सामना कर रहा है। जिसके कारण यह समाज आज भी विकास की मुख्य धारा में शामिल नहीं हो पाया है। आदिवासी पारधी समाज के बच्चों की शिक्षा एवं रोजगार पर कई मुद्दों पर चर्चा करने के बाद मंत्री नरहरि झिरवल ने मुंबई एवं नई मुंबई की समस्याओं को हल करने का आश्वासन दिया है। वहीं संतोष पवार ने इस बात पर जोर दिया कि मुंबई ,नवी मुंबई के पारधी पाड़ा के लोगों का पुनर्वसन योग्य जगहों पर किया जाय। उन्होंने बच्चों की शिक्षा के लिए मुंबई में आश्रम शाला उपलब्ध कराने का सवाल भी उठाया।

हर्षोल्लाश से मनाया गया यादव संघ मुंबई के अध्यक्ष अजय सीताराम यादव का जन्मदिन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी मनपा के पूर्व नगरसेवक व समाजवादी पार्टी के महाराष्ट्र/मुंबई प्रदेश उपाध्यक्ष व यादव संघ मुंबई के अध्यक्ष अजय यादव का जन्मदिन धामनकर नाका न्यू कनेरी स्थित उनके कार्यालय पर मनाया गया । बतादें कि अजय यादव अपना जन्मदिन सादगी व अपनो के बीच मनाते रहे हैं लेकिन उनके शुभचिंतकों द्वारा शाल पुष्प गुच्छ देकर एक दूसरे को मिष्ठान खिलाकर मुंह मीठा करके शुभकामनाएँ दिये । अजय यादव को शुभकामनाएँ देने वालों में उनके करीबी मित्रों में राजनैतिक पार्टियों के नेताओं व सामाजिक संस्थाओं आदि लोगों ने फोन द्वारा बधाई संदेश दे रहे थे वहीं उनके कार्यालय पर लोग शुभकामनाएँ देने के लिए पहुँच रहे थे । इसी तरह दैनिक उत्तरशक्ति के भिवंडी प्रतिनिधि आचार्य सूरजपाल यादव , राजेन्द्र यादव , राम अचल यादव , जितेन्द्र यादव , संतोष यादव , संजय यादव , अनिल यादव , विजय प्रताप यादव , देवेन्द्र उपाध्याय , विनोद त्रिपाठी , निजाम शेख , पवन यादव , रामचंदर यादव , महेन्द्र काले , धम्मा कांबले आदि लोगों ने शाल पुष्पगुच्छ देकर जन्मदिन पर शुभकामनाएँ दिये ।

फेडएक्स सक्षम के जरिए महिला उद्यमिता को मिल रहा बढ़ावा

मुंबई। दुनिया की सबसे बड़ी द्रुतगामी परिवहन कंपनी फेडरल एक्सप्रेस कॉर्पोरेशन (फेडएक्स) ने भारत में लगातार चौथे वर्ष सक्षम पहल के माध्यम से समावेशी उद्यमिता को बढ़ावा देने का कार्य जारी रखा है। इस वर्ष, सक्षम ने 270 से अधिक महिला उद्यमियों और एलजीबीटीक्यूआईए+ समुदाय के लगभग 160 सदस्यों को सशक्त बनाया है। इन उद्यमियों को व्यावसायिक संसाधनों और मार्गदर्शन से युक्त सक्षम किट प्रदान की गई, साथ ही उद्योग-विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया। इस पहल के तहत टिफिन सेवा, सिलाई, हस्तशिल्प, खाद्य सेवा और सौंदर्य क्षेत्र के लघु व्यवसायियों को उनके कारोबार को आगे बढ़ाने और सफल होने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं। फेडएक्स इंडिया ऑपरेशंस के उपाध्यक्ष सुवेंदु चौधरी ने कहा, ग्लोबल आंत्रेप्रेन्योरशिप मॉनिटर के अनुसार, यदि महिलाओं को पुरुषों के समान दर पर व्यवसाय शुरू करने और उसे बढ़ाने में मदद मिले, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था में 5 से 6 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का योगदान किया जा सकता है।

विश्व महिला दिवस पर केसीएन क्लब द्वारा महिलाओं को किया गया सम्मानित

मुंबई(उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय सेवाभावी संगठन केसीएन क्लब द्वारा विश्व महिला दिवस के अवसर पर प्रयागराज जिले के तेलियरगंज स्थित मेहदौरी कॉलोनी परिसर में आयोजित विशेष कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला प्रकोष्ठ मीरा सृजन की राष्ट्रीय अध्यक्ष नीलम सिंह ने किया कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि वाराणसी की वरिष्ठ समाजसेविका पुष्पा मिश्रा उपस्थित रही। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका रंजना सिंह ने किया। कार्यक्रम में महिलाओं के अधिकारों, कर्तव्यों, स्वास्थ्य उपलब्धियों पर चर्चा करते हुए केसीएन क्लब महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष नीलम सिंह ने उपस्थित माताओं एवं बहनों को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनायें दी और कहा कि संस्था की संस्थापिका माता मीरा देवी ने हमेशा बताया कि जहां नारियों की पूजा व सम्मान होता है वहां देवताओं का वास होता है। नारी में वह शक्ति है जो असंभव कार्य को भी सम्भव कर सकती है एवं एक शिक्षित नारी पूरे परिवार को शिक्षित करती है इसलिये महिलाओं को शिक्षित अवश्य होना चाहिये। नारी जहां सामाजिक बुराईयों को दूर करने में सहायक होती है, दुनिया के सभी विकसित समाजों और राष्ट्रों में महिलाओं का अहम योगदान रहा है। उन्होंने बताया कि आज का दिवस महिलाओं के लिये समर्पित है। और नारियों के सम्मान व उनके साथ किसी अत्याचार के सम्बन्ध में जहां सरकारों द्वारा बहुत सी महत्वाकांक्षी

योजनायें चलाई जा रही है। संचालित योजनाओं से पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित कराये जाने पर बल दिया। सभी क्षेत्रों में महिलायें अग्रणी भूमिका निभा रही है। उन्होने कहा कि महिलाओं में यदि आगे बढ़ने की ललक और इच्छा शक्ति है तो न केवल वह आगे बढ़ती है बल्कि पूरी पीढ़ी, समाज और राष्ट्र को आगे बढ़ाती है। कार्यक्रम के मुख्यातिथि पुष्पा मिश्रा ने महिला दिवस पर उपस्थित सभी महिलाओं को हार्दिक शुभकामनायें व बधाई देते हुये कहा कि वोट के अधिकार की मांग से शुरू हुआ संघर्ष अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में परिवर्तित हो गया। स्वच्छता मिशन के स्तर पर महिलाओं की भूमिका अति महत्वपूर्ण है। बाल विकास में नारियों का योगदान बच्चो की देखभाल यशोदा मां के रूप में करने का इतिहास दुनिया में व्याप्त है। कार्यक्रम में हर क्षेत्र की महिलाओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में केसीएन क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदन मिश्रा त्यागी, एडवोकेट सुनीता राव, महिला संगीत शिक्षिका अर्चना सिंह, सैनिक पत्नी कल्पना पटेल, प्रख्यात युट्यूबर नीतू सिंह, हाउस वाईफ सुमन सिंह, कामगार महिला मीरा देवी, निर्मला सिंह, पुष्पा सिंह, पूर्व प्रधानाचार्य साहित्यकार सत्यप्रकाश सिंह, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व अधिकारी धीरेंद्र सिंह, एडवोकेट अभिषेक सिंह सहित अन्य अनेक लोग उपस्थित रहे, कार्यक्रम का संयोजन महिला संगीत शिक्षिका अर्चना सिंह ने किया कार्यक्रम में चाय नास्ते की व्यवस्था की गई थी। कार्यक्रम में क्लब की वरिष्ठ पदाधिकारी रूमा देवी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए महिलाओं के सम्मान को प्राथमिकता देते हुए कार्यक्रम समापन की घोषणा की।

तेरा भी बाबा सिद्दीकी होगा...महेश गायकवाड़ को जान से मारने की धमकी

अंबरनाथ के शिवाजी नगर थाने में शिकायत दर्ज

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण के पूर्व शिवसेना पार्षद महेश गायकवाड़ को पत्र के माध्यम से जान से मारने की धमकी दी गई है। इस मामले में महेश गायकवाड़ ने अंबरनाथ के शिवाजी नगर पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया है। इस पूरे मामले की जानकारी देते हुवे महेश गायकवाड़ ने बताया कि एक विवाह समारोह के दौरान अज्ञात व्यक्ति ने उनके हाथ में एक पत्र थमाया। उस पत्र में लिखा था - ₹एमजी, तू गणपत सेठ और वैभव गायकवाड़ के पीछे मत लगना, नहीं तो तेरा बाबा सिद्दिकी जैसा हाल होगा। महेश गायकवाड़ ने धमकी भरे पत्र को देखकर संदेह जताया कि यह पत्र जेल में उपयोग किया जाने वाला कागज से लिखा गया है । ज्ञात हो कि महेश गायकवाड़ पर गोली मारने के मामले में पिछले एक साल से भाजपा के पूर्व विधायक गनपत गायकवाड़ जेल में बंद है जिसकी वजह से महेश गायकवाड ने गंभीर आरोप करते हुए कहा कि ₹गणपत गायकवाड़ पंद्रह दिन जेल में और पंद्रह दिन अस्पताल में रहते हैं, और उनपर बड़े आका का आशीर्वाद है।

नारी तू नारायणी सुवर्ण महिला संगठन की ओर से महिला दिवस का आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस निमित्त नारी तू नारायणी सुवर्ण महिला संगठन द्वारा माता बहनों बेटियों के सामन कार्यक्रम का आयोजन 7 मार्च को बोरीवली में सम्पन्न हुआ। मातुश्री कांटा बा पुरस्कार से सम्मानित महिला, आर्थिक निवेश नियोजन और सरकारी महिला योजनाओं पर श्री सुजीत नायर ने विस्तार से जानकारी दी।

लघु उद्योजिका बहनों के वस्तु और खाद्य पदार्थों की बिक्री प्रदर्शनी आदि का आनंद मेला उपक्रम के तहत कई महिलाओं ने अपने अपने लघु उद्योग के स्टॉल्स लगाए और बिक्री भी की।

इस अवसर पर नारी तू नारायणी सुवर्ण महिला संगठन की अध्यक्ष ने एक हिन्दू धर्म के नित्य नियम पाठ के पुस्तक को तैयार किया था, जिसमें आनेवाली पीढ़ी आसानी से पढ़ सके इस हेतु हनुमान चालीसा, एक श्लोकी भागवत, एक श्लोकी रामायण आदि कुछ श्लोक अंग्रेजी में भी छपवाए हैं ऐसे पुस्तक का विमोचन श्रीमती नीलम संजय उपाध्याय जी और स्व.कांता बेन झगड़ा परिवार के सदस्यों के हस्ते करवाया गया। इस महिला दिवस कार्यक्रम में कुल 9 बहनों का विशेष सम्मान कार्यक्रम आयोजित कर भिन्न भिन्न क्षेत्रों में सफलता प्राप्त की बहनों को कांता बा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। चार्टर्ड अकाउंटेट, अभिनेत्री, अधिवक्ता, और खेलकूद क्षेत्र जैसे विभिन्न क्षेत्र की बहन बेटियों का सम्मान किया गया। क्रेजी अबाउट क्रूजेस कंपनी की मालिक ऐसी पूजा सोनी, अभिनेत्री भावना चौकसी, दिव्यांग अधिवक्ता पृथा सोनी, 9 गोल्ड मेडल की विजेता ऐसी वैष्णवी धकान, चार्टर्ड अकाउंटेट दीक्षिता थड़ेश्वर, प्रिया सोनी, खिलाड़ी फलक सागर, अधिवक्ता फाल्गुनी सोनी आदि के सत्कार हुए और उन्होंने विशाल संख्या में उपस्थित बहनों को संबोधित भी किया। कार्यक्रम के अंत में खेल और सरप्राइज गेम से भरे पूरे कार्यक्रम को स्व. कांता बेन झगड़ा परिवार के सभी सदस्यों ने उपस्थित रहकर गरिमा प्रदान की। ₹विशेष रूप से बोरीवली के विधायक आदरणीय संजय भाई उपाध्याय की धर्मपत्नी एवं लेखिका श्रीमती नीलम उपाध्याय जी ने पूर्ण समय इस कार्यक्रम में उपस्थित रहकर सर्व सम्मानित बहनों एवं हम आयोजकों का उत्साह वर्धन किया₹ ऐसा भी नीला सोनी ने बताया। बोरीवली पश्चिम के सोनीवाडी बैंक्वेट में आयोजित इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए हंसा बेन थड़ेश्वर , गीता बेन सागर, सोनल सागर, ज्योत्सना राठोड़, शीतल राठोड़, धारा सोनी, भावना बेन सोनी, प्रिया सोनी आदि ने परिश्रम किया।

फूलों की बारिश के बीच जलधारा का होली स्नेह मिलन संपन्न

भाईंदर (उत्तरशक्ति)। विगत कई वर्षो से होली के पहले ही होली का फुहार और एहसास दिलाने वाली सामाजिक संस्था जलधारा ने इस बार भी मीरा रोड़ मे भव्य होली स्नेह मिलन का आयोजन किया. जहाँ लोकगायक सुरेश शुक्ला और उनकी टीम की सूंदर गीत संगीत की प्रस्तुति और राधा कृष्ण की रासलीला झांकी के साथ बड़ी संख्या मे उपस्थित लोगो ने जमकर फूलों की होली का आनंद लिया. आयोजन मे प्रमुख रूप से महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक, पूर्व विधायक गीता जैन, सिद्धिविनायक ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी, शिक्षाविद लल्लन तिवारी, शिवसेना जिला प्रमुख राजू भोईर, विक्रम प्रताप सिंह, मनसे प्रमुख संदीप राणे, पूर्व नगरसेवक मनोज दुबे, पूर्व नगरसेविका नीला सौन्स, स्नेहा पांडेय, नयना वसानी सहित सभी राजनैतिक पार्टियों के प्रमुख पदाधिकारी और सामाजिक संस्थाओं से जुड़े गणमान्य लोग इसमें शामिल हुए.खास बात ये रही की महिला दिवस पर हुए इस कार्यक्रम मे नारी शक्ति का सम्मान किया गया और महिलाओं ने इसमें बढ़चढ़कर हिस्सा लिया.

संस्था के प्रमुख संरक्षक भरत मिश्रा ने बताया की हम जल संरक्षण के साथ ही अपनी संस्कृति, संस्कार और पहचान को बनाये रखना चाहते है और इसलिए इस फूलों की होली के माध्यम से सामाजिक संदेश भी देते है और इसलिए अब ये होली इस शहर की पहचान बन गयी है.

कार्यक्रम मे उपस्थित होली रसीकों के लिए ठंडाई और सुरुचि पूर्ण भोजन की व्यवस्था भी की गयी थी. इस आयोजन को सफल बनाने मे संस्था के सचिव सुशील मिश्रा, सत्यप्रकाश दुबे, नवीन पाठक एवं संस्था से जुड़े कई जलमित्रों का सहयोग रहा.

उत्तर भारत जाने वाली ट्रेनों के बोईसर में ठहराव की मांग को लेकर सांसद डॉ. सावरा को सौंपा ज्ञापन

पालघर(उत्तरशक्ति)। विप्र फाउंडेशन की ओर से रेलवे संबंधित समस्याओं को लेकर वरिष्ठ समाजसेवी भाजपा नेता संजय ज.पाटील के नेतृत्व में विप्र फाउंडेशन प्रमुख ब्रह्मदेव चौबे ने सांसद डॉ. हेमंत सावरा से मुलाकात कर बोईसर के लोगों की रेलवे संबंधित विभिन्न कठिनाइयों पर ब्रिहद चर्चा करने के पश्चात बोईसर रेलवे स्टेशन से होकर उत्तर भारत ओर जाने आने वाली ट्रेनों को बोईसर रेलवे स्टेशन पर ठहराव की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। विप्र फाउंडेशन प्रमुख ब्रह्मदेव चौबे तथा बोईसर पालघर पत्रकार संघ अध्यक्ष रामप्रकाश निराला ने सांसद डॉ. हेमंत सावरा को जानकारी देते हुए बताया कि बोईसर में अधिक संख्या में उत्तर भारतीय लोग रहते हैं लेकिन उनके गांव जाने के लिए बोईसर से कोई सुविधा नहीं है। उत्तर भारतीय बोईसरवासियों को गांव जाने के लिए मुंबई या गुजरात की तरफ लोकल ट्रेन के जरिये भीड़ का सामना करते हुए विशेष भाग दौड़ करना पड़ता है। इसके लिए उत्तर भारत की ओर जाने व आने वाली ट्रेनों का बोईसर रेलवे स्टेशन पर ठहराव अतिआवश्यक है।

सांसद डॉ. हेमंत सावरा ने अपनी दायित्व को स्वीकारते हुए स्थानीय लोगों के लिए हर संभव सुविधा उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। बतादें कि विप्र फाउंडेशन के प्रमुख ब्रह्मदेव चौबे उत्तर भारतीय लोगों की रेलवे संबंधित कठिनाइयों के निराकरण हेतु विगत वर्षो से ही लगातार प्रयासरत हैं। सांसद डॉ. हेमंत सावरा को ज्ञापन सौंपते समय विप्र फाउंडेशन बोईसर प्रमुख ब्रह्मदेव चौबे के साथ बोईसर पालघर पत्रकार संघ अध्यक्ष रामप्रकाश निराला व अन्य लोग उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर प्रबोधनकार ठाकरे विद्यालय बोईसर में की गई महिलाओं की स्वास्थ्य जांच

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। विश्व महिला दिवस के उपलक्ष्य में शिवसेना नेता प्रभाकर राऊल की प्रेरणा से पंचतत्व सेवा संस्था तथा स्वामी विवेकानंद एज्युकेशन सोसायटी के संयुक्त तत्वाधान में शनिवार 8 मार्च 2025 को पालघर जिला के बोईसर शहर (प.) अवधनगर में स्थित प्रबोधनकार ठाकरे विद्यालय में महिलाओं के लिए नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच के शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य जांच शिविर में करीब 180 महिला अभिभावकों ने हिस्सा लेकर शिविर का लाभ उठाया। इस शिविर में बोईसर के वरद मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के डॉ. साईदास लिंगनवाड और उनके विशेषज्ञ डॉक्टरों ने महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच की तथा उन्हे आवश्यक परामर्श दिया। इस शिविर में बी.एम.आय, बी पी, ब्लड सुगर, ई सी जी, कोलेस्ट्रोल और सामान्य स्वास्थ्य जांच आदि की सुविधा उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर डॉ.साईदास लिंगनवाड ने महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ दीं तथा महिलाओं द्वारा उनके परिवार और सोसायटी को अपना योगदान देने की प्रशंसा की। संस्था के अध्यक्ष प्रभाकर राऊल ने स्वस्थ रहने के लिए उचित खानपान व दिनचर्या पर मार्गदर्शन करते हुए महिलाओं के उत्तम स्वास्थ को ही परिवार की उन्नती का प्रमुख आधार बताया। विद्यालय की प्रशासक सुषमा भोसले ने स्कूल की सभी महिला शिक्षको के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि सभी महिलाएं दूसरे कामों के साथ-साथ अपनी सेहत का भी ध्यान रखे और इसकी पहल आज से ही करने का प्रभाकर राऊल ने आग्रह किया ' विद्यालय की उपमुख्याध्यापिका कृषीका घरत ने सभी अतिथियों, डॉक्टरों व सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया इस अवसर पर विद्यालय की संरक्षक दर्शना राऊल, मुख्याध्यापिका सुनीता शर्मा, उपअध्यापिका कृषिका घरत सहित विद्यालय की पी.टी.ए .कमेटी के सदस्य, शिक्षकवर्ग तथा बोईसर-पालघर पत्रकार संघ अध्यक्ष रामप्रकाश निराला सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

महिला दिवस के अवसर पर वुमेन वॉरियर्स मैराथॉन के आयोजन में सैकड़ो युवतियों ने लिया हिस्सा

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। सोशल वॉरियर्स फाउंडेशन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में 9 मार्च 2025 को 14 साल से 25 साल तक की युवतियों के लिए 3 किलोमीटर की मिनी मैराथॉन ₹वुमेन वॉरियर्स मैराथॉन ₹ का आयोजन किया गया । इस मैराथॉन में करीब 100 युवतियों तथा महिलाओं ने सहभागी हुयी । तत्तपश्चात दोनो उम्र ग्रुप के प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेताओं को मेडल , ईनाम एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया । मैराथन में अन्य सहभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व नगरसेविका वंदना मनोज काटेकर , नगरसेवक व पूर्व उपमहापौर मनोज काटेकर, प्रजापिता ब्म्हकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की ब्रह्माकुमारी शिल्पा दीदी, ब्रह्माकुमारी अर्पणा दीदी, डॉ. स्वाति सिंह , समाजसेविका ज्योति वाघे उपस्थित थी । सभी आये हुए अतिथियों का सोशल वॉरियर्स फाउंडेशन के पदाधिकारियों द्वारा शाल और पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया । हालांकि सोशल वॉरियर्स फाउंडेशन द्वारा इस प्रकार के प्रोत्साहन कार्यक्रम का आयोजन हमेशा होते रहते हैं साथ ही हर रविवार को मुफ्त आत्मरक्षा शिविर भी होता हैं और साथ ही पोलिस भर्ती , आर्मी भर्ती का मुफ्त प्रशिक्षण दिया जाता हैं ।

उत्तरशक्ति
* संपादक: ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादक: प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादक: डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

नकाबपोश बदमाशों ने बेसबॉल बैट से शिक्षक को मारकर किया मरणासन्न

वाराणसी आईसीयू में जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहा शिक्षक

रियाजुल हक

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बक्सा थाना क्षेत्र के कुल्हना मऊ गांव स्थित सनबीम स्कूल के शिक्षक परीक्षा समाप्त होने के बाद साथी शिक्षक के साथ घर के लिए चले। और स्कूल से कुछ ही दूर हरिहर सिंह स्कूल के पास पहुंचे होंगे तभी नकाबपोश बदमाशों ने बाइक रोककर बेसबाल बैट से शिक्षक पर जानलेवा हमला कर मरणासन्न कर मौके से फरार हो गए। शिक्षक का उपचार शहर के मोहल्ला नईगंज स्थिति एक निजी अस्पताल में लगभग 6 घंटा आईसीयू में चला। लेकिन हालत में सुधार होता ना देख चिकित्सक ने बेहतर उपचार के लिए वाराणसी के लिए रेफर कर दिया। शिक्षक आईसीयू में जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहा है। दिनदहाड़े हुई ऐसी घटना को लेकर स्थानीय लोगों के साथ ही साथी अध्यापकों में भय के साथआक्रोश व्याप्त है। मामला कुछ इस प्रकार है कि शनिवार दोपहर शहर थाना कोतवाली क्षेत्र के बलुआघाट मोहल्ला निवासी मोहम्मद परवेज उम्र लगभग 35 वर्ष पुत्र मोहम्मद शाहिद साथी अध्यापक रिजवी खां मोहल्ला निवासी शकील के साथ शनिवार दोपहर सनबीम डालिम्स स्कूल में यूपी बोर्ड परीक्षा समाप्त होने के बाद बाइक से घर के लिए चले और जैसे ही विद्यालय से कुछ दूर हरिहर सिंह स्कूल के पास पहुंचे होंगे तभी पहले से घात लगाए बाइक सवार अज्ञात नकाबपोश दो बदमाशों ने उनकी बाइक रोककर ताबड़तोड़ बेसबॉल बैट से प्रहार कर उनके ऊपर जानलेवा हमला कर दिया। नतीजतन सर में गंभीर चोट लगने के कारण वह घटनास्थल पर ही बेहोश हो कर गिर पड़े।जबकि साथी अध्यापक शकील के ऊपर भी बदमाशों ने हमला किया लेकिन उनके द्वारा हेलमेट पहनने के कारण उन्हें कुछ नहीं हुआ बल्कि हेलमेट ही क्षतिग्रस्त हुआ। घटना के दौरान एक बदमाश सड़क किनारे बाइक स्टार्ट करके खड़ा रहा और घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश उसी बाइक पर बैठकर फरार हो गए। साथी अध्यापक शकील ने परिजन को और विद्यालय प्रबंधक को सूचना देने के साथ ही घायल अध्यापक को शहर के नईगंज मोहल्ला स्थित एक निजी अस्पताल में ले जाकर भर्ती करवाया। जहां अध्यापक का लगभग 6 घंटा उपचार करने के पश्चात चिकित्सक ने हालत नाजुक देखकर बेहतर इलाज के लिए वाराणसी के लिए रेफर कर दिया। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष लक्ष्मण विक्रम सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद। स्कूल प्रबंधक द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर बदमाशों की खोजबीन करने में जुट गए। साथी अध्यापक ने अनुमान लगाते हुए बताया कि परीक्षा के दौरान अनुचित साधनों का प्रयोग कर रहे 4 से 5 दिन के अंदर कुछ छात्रों को अध्यापक मोहम्मद परवेज ने रोका था।इस संबंध में थानाध्यक्ष विक्रम लक्ष्मण सिंह ने बताया कि हर पहलू पर जांच करते हुए बदमाशों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।

बाबा विश्वनाथ एवं मां गौरा के चल प्रतिमाओं का शास्त्रीय अर्चना के साथ पूजन एवं हल्दी समारोह

रंगभरी एकादशी महोत्सव

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में रंगभरी एकादशी त्रिदिवसीय लोक उत्सव की श्रृंखला में इस वर्ष मंदिर के पारंपरिक पर्व को लोकमानस के और निकट लाने का प्रयास किया गया। दिनांक 8 मार्च 2025 को बाबा विश्वनाथ एवं मां गौरा की चल प्रतिमा शास्त्रीय अर्चना के साथ मंदिर चौक में शिवार्चनम मंच के निकट तीन दिन के लिए विराजमान की गई। यह विशेष आयोजन भक्तों और श्रद्धालुओं के बीच गहरे धार्मिक और सांस्कृतिक संबंधों को प्रगाढ़ बनाने के उद्देश्य से किया गया। रंगभरी उत्सव की इसी श्रृंखला में, आज 9 मार्च 2025 को प्रातः वेला में मथुरा श्री कृष्ण जन्मस्थल से बाबा विश्वनाथ के लिए भेंट की गई अबीर एवं उपहार सामग्री तथा सोनभद्र से श्री काशी विश्वनाथ धाम पहुंचे वनवासी समाज के भक्तों द्वारा राजकीय फूल पलाश से निर्मित हर्बल गुलाल को प्रातः वेला में बाबा विश्वनाथ के गर्भगृह में अर्पित किया गया। इस पूजन में मंदिर न्यास का प्रतिनिधित्व करते हुए मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री विश्व भूषण मिश्र एवं डिप्टी कलेक्टर श्री शम्भु शरण ने विधिविधानपूर्वक श्री विश्वेश्वर का पूजन किया और हर्बल गुलाल अर्पित किया। इसके पश्चात बाबा विश्वनाथ की चल रजत प्रतिमा की पालकी मंदिर चौक में निकाली गई। यह यात्रा श्रद्धालुओं एवं स्थानीय काशिवाशियों के बीच एक विशेष आकर्षण का केंद्र बनी। हजारों श्रद्धालुओं ने इस यात्रा में भाग लिया और बाबा विश्वनाथ एवं मां गौरा की प्रतिमा पर हल्दी लगाने की प्रथा का निर्वहन किया, जो इस उत्सव की एक अहम धार्मिक परंपरा है। बाबा विश्वनाथ के हल्दी समारोह में विशेष रूप से मथुरा से आए भक्तगण, श्री कृष्ण जन्मस्थली से बाबा विश्वनाथ हेतु उपहार सामग्री लेकर आए भक्त, प्रसिद्ध इतिहासकार एवं लेखक श्री विक्रम सम्पत जी, और वनवासी समाज के भक्तों ने अपनी सहभागिता की। इस आयोजन के माध्यम से न केवल काशी के भक्तों का एकजुटता और आस्था का प्रदर्शन हुआ।बल्कि धार्मिक, सांस्कृतिक एवं परंपराओं के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया गया। यह आयोजन काशी विश्वनाथ धाम के भक्तों और श्रद्धालुओं के बीच एकजुटता और आस्था का प्रतीक बना। रंगभरी एकादशी महोत्सव का उद्देश्य धार्मिक परंपराओं को पुनर्जीवित करना और काशी की ऐतिहासिकता को हर किसी तक पहुँचाना है। मंदिर प्रशासन की ओर से यह आयोजन बहुत ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ।

वीबीएसपीयू के 17 छात्रों को कोड इटरनीटी, नोएडा में शानदार प्लेसमेंट

कम्पनी के सीईओ बोलेझ छात्रों में प्रतिभा और सीखने की ललक

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय (वीबीएसपीयू) के छात्रों ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। प्रतिष्ठित आईटी कम्पनी कोड इटरनीटी, नोएडा ने कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव के दौरान विश्वविद्यालय के 17 होनहार छात्रों का चयन किया है।इस सफलता से छात्रों और उनके परिवारों में खुशी की लहर दौड़ गई है। कम्पनी के प्लेसमेंट प्रक्रिया में विश्वविद्यालय के वेब डेवलपर, ग्राफिक्स डिजाइन, सेल्स एग्जीक्यूटिव और एचआर मैनेजर पद के किये कुल 17 छात्रों का चयन हुआ। कम्पनी के सीईओ आदर्श श्रीवास्तव ने छात्रों की सराहना किया, चयनित छात्रों को बधाई देते हुए कहा, वीबीएसपीयू के छात्रों में प्रतिभा और तकनीकी कौशल की कोई कमी नहीं है। वे नवाचार के लिए तैयार हैं और हमारी कम्पनी में बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे। वही कम्पनी के सीटीओ राहुल मिश्रा व चीफ टेक्निकल ऋषभ मिश्रा ने छात्रों के तकनीकी दक्षता और आत्मविश्वास की सरहना किया। चयनित छात्रों में 10 सीएम/आईटी, 4 एमसीए/बीसीए और 3 एचआरडी/सेल्स के छात्र शामिल है। केंद्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल की निदेशक प्रो. अवनीश डी. पाथर्डीकर ने कम्पनी भर्ती टीम को धन्यवाद देते हुए बताया कि कोड इटरनीटी एक प्रतिष्ठित आईटी कम्पनी है, जो वेब डेवलपमेंट, सॉफ्टवेयर सॉल्यूशंस और क्लाउड टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में कार्यरत है। चयनित छात्रों को आकर्षक वेतन पैकेज और करियर ग्रोथ के बेहतरीन अवसर मिलेंगे। अंत कार्यक्रम में प्लेसमेंट सेल के कार्यलय प्रभारी श्याम त्रिपाठी ने लोगों का आभार व्यक्त किया।

कुलपति प्रो.वंदना सिंह को राज्यपाल ने किया सम्मानित

महिला दिवस के अवसर पर राजभवन में हुआ कार्यक्रम का आयोजन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राज भवन लखनऊ में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया है। गौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राज भवन लखनऊ में विभिन्न प्रतियोगिताएं एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने सम्मानित किया है। इस अवसर पर राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने महिलाओं के सशक्तिकरण, उनकी भूमिका, परिवार और समाज में उनके योगदान पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि महिलाओं में संवेदनशीलता और मानवता अधिक होती है, यही कारण है कि वे हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और उत्कृष्ट कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं में सेवा भाव भी प्रबल होता है, जो उन्हें जीवनभर कर्मशील बनाए रखता है। महिलाएं चाहे घर में हों, कार्यालय में हों या किसी अन्य क्षेत्र में कार्यरत हों, वे सदैव ऊर्जा से भरपूर रहती हैं और स्वस्थ जीवन जीती हैं। उन्होंने अपने राजनीतिक और पारिवारिक संघर्षों की प्रेरणादायक कहानी भी साझा की। महिलाओं और समाज की बेहतरी के लिए कुछ करने की इच्छाशक्ति ने उन्हें राजनीति की ओर प्रेरित किया। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने कहा कि यह सम्मान पूरे विश्वविद्यालय का सम्मान है। विश्वविद्यालय के समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य करतीं रहेंगी। महिला अध्ययन की प्रभारी डॉक्टर जाह्नवी श्रीवास्तव ने बताया कि इसके साथ ही जौनपुर जनपद में समाज सेवा के क्षेत्र में कार्य करने पर अंजू सिंह को एवं आंगनबाड़ी के क्षेत्र में कार्य करने के लिए प्रतिभा सिंह को भी राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल द्वारा सम्मान प्राप्त हुआ है। इस सम्मान के प्राप्त होने पर विश्वविद्यालय के कुल सचिव महेंद्र कुमार, परीक्षा नियंत्रक डॉ विनोद कुमार सिंह, प्रोफेसर अजय द्विवेदी, प्रोफेसर मानस पांडे, प्रोफेसर राजेश सिंह, प्रोफेसर मनोज मिश्रा, प्रोफेसर अजय प्रताप सिंह, प्रोफेसर सौरभ पाल, प्रोफेसर राजेश शर्मा, प्रोफेसर प्रमोद कुमार यादव, प्रोफेसर गिरधर मिश्र समेत अन्य ने शिक्षा एवं कर्मचारियों ने बधाई दी है।

सदिग्ध परिस्थिति में अधेड़ की हुई मौत, जाँच पड़ताल में जुटी पुलिस

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया थाना क्षेत्र के पुलिस चौकी अखरी अंतर्गत रामपुर लठिया गाँव मे शनिवार को संदिग्ध परिस्थिति में अधेड़ की मौत हो गयी, मकान मालिक के सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव को पीएम को भेज जाँच पड़ताल में जुट गई है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक धर्मवीर नगर कालोनी सुसुवाही डाफी थाना लंका निवासी गंगाराम मौर्या पुत्र बाबूलाल मौर्या 45 वर्ष बीते छह वर्ष पूर्व रोहनिया के बेटावर में जमीन लेकर मकान बनाकर रहता था बीते कुछ वर्ष पूर्व पहली पत्नी घर छोड़कर चली गयी तो दूसरी पत्नी से वह कोर्ट मैरेज शादी किया था। दूसरी पत्नी से वाद-विवाद के कारण गंगाराम बेटावर घर छोड़कर रोहनिया क्षेत्र के रामपुर लठिया में किराए का मकान लेकर बीते एक माह से अकेले रह रहा था शनिवार को वह कमरा बन्द कर पूरे दिन घर से जब बाहर नही निकला तो मकान मालिक को शक हुआ दरवाजे खोलने पर देखा गया तो कमरे में गंगाराम तख्ते पर सोया हुआ था मुंह से खून निकला हुआ था जिसके बाद मकान मालिक ने तत्काल रोहनिया पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक रोहनिया विवेक कुमार शुक्ला, चौकी प्रभारी अखरी अवनीश मिश्रा सहित पुलिस टीम घटना स्थल पहुँच फॉरेंसिक टीम सहित बेटावर के ग्राम प्रधान व पत्नी को सूचना दिए। मौत की खबर लगते ही परिजनों में कोहराम मच गया। ज्ञात हो कि मृतक किराए का कमरा लेकर बीते एक माह से सगड़ी चलाने का काम करता था, मृतक को पहली पत्नी से एक पुत्र व दूसरी पत्नी से एक पुत्र है दोनों बीए की पढ़ाई करते है एक पुत्र बाहर रहकर पढ़ाई करता है। वही मौत की खब्त लगते ही पत्नी का हाल बेहाल रहा। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पीएम को भेज जाँच पड़ताल में जुट गई है। मकान मालिक ने पुलिस को बताया कि वह पंद्रह दिनों से बीमार चल रहा था बेटावर के दो लोग मित्र दोस्त आकर दवा इलाज कराते थे और सभी मिलकर शराब का सेवन करते थे।

पत्रकार के हत्यारे को दी जाए कठोर सजा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर अपराध निरोधक कमेटी के अध्यक्ष विक्की गुप्ता के नेतृत्व में मछलीशहर क्षेत्राधिकारी प्रतिमा वर्मा को ज्ञापन सौंपा। शनिवार को सीतापुर के महोली तहसील के पत्रकार राधवेंद्र वाजपेई की दिन दहाड़े गोली मारकर हत्या की गई है। जिसको लेकर संगठन व पत्रकारों में आक्रोश व्याप्त है। पत्रकारों ने सीओ प्रतिमा वर्मा को दिए गए ज्ञापन में मांग की है कि सीतापुर पत्रकार राघवेंद्र वाजपेयी के आरोपियों की गिरफ्तारी व कठोरता करवाई करके फांसी की सजा दी जाए। साथ ही मृतक आश्रित परिवार को एक करोड़ की आर्थिक सहायता दी जाए। इस अवसर पर विक्की गुप्ता, केपी यादव, नमन गुप्ता, वीरेंद्र कुमार, सूरज विश्वकर्मा, राज मौर्य, राहुल कुमार व अभिनव आदि लोग मौजूद रहे।

रविवार को पत्रकारों ने सीतापुर के पत्रकार के हत्यारे को फांसी देने व आर्थिक सहायता देने की मांग को लेकर

कबाड़ गोदाम में लगी भीषण आग

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर कोतवाली क्षेत्र के बदलापुर पड़ाव स्थित तारापुर तकिया के पास रविवार शाम एक कबाड़ गोदाम में अचानक आग लग गई। आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन अधिकारी नागेंद्र प्रसाद द्विवेदी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों की मदद से दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया। मोटर फायर टेंडर के जरिए पंपिंग कर आग बुझाने की प्रक्रिया को तेज किया गया। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। प्रथम दृष्टया शॉर्ट सर्किट या किसी ज्वलनशील पदार्थ के कारण आग लगने की आशंका जताई जा रही है। मौके पर सरायपोख्ता चौकी की पुलिस भी मौजूद रही, जो स्थिति पर नजर बनाए हुए थी। इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन गोदाम में रखा कबाड़ जलकर खाक हो गया। पुलिस और अग्निशमन विभाग आग लगने के सही कारणों की जांच में जुटे हैं।

वाराणसी में नकाबपोश बदमाशों ने दिनदहाड़े सराफा व्यवसाई को मारी गोली

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के बड़ागांव थाना क्षेत्र के अहरक पश्चिमपुर ग्राम सभा में सराफा व्यवसायी विकास की दुकान पर आए बदमाशों नें विकास और उनके स्टाफ सियाराम को गोली मार दी सूचना मिलते ही मौके पर अपर पुलिस आयुक्त अपराध राजेश सिंह प्रमोद कुमार डीसीपी गोमती जोन एडीसीपी आकाश पटेल प्रतीक कुमार एसीपी पिंडरा के साथ बड़ागांव थाने की फोर्स के साथ पहुंचे बदमाश लगभग 22 हजार रुपये और चांदी के सामान लूट ले गए है दोनो घायलों को कंधे में गोली लगी है। पूरे कमिश्नरेट में बदमाशों की तलाश में नाकाबन्दी चेकिंग की जा रही है एसीपी डॉ अतुल अंजान त्रिपाठी द्वारा रखी जा रहीं पैनी निगाह पूरे थाना फोर्स के साथ वाराणसी वाया आजमगढ़ नेशनल हाईवे (गोला बाजार) पर सभी गाड़ियों की चेकिंग करने में जुट गए और साथ ही साथ वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट की पुलिस टीम सभी एसीपी अपने-अपने जोन में सघन चेकिंग अभियान में लग गये हैं। गोली मारने वाला व्यक्ति अभी भी फरार चल रहा है।पूरे वाराणसी जोन के पुलिस फोर्स अपने काम में लग गई है ताकि अपराधी जल्द पकड़ा जा सके।

खेतासराय क्षेत्र में मिला अज्ञात शव, शिनाख्त नहीं

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कल 8 मार्च को थाना खेतासराय पर सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति मनेछा रेलवे क्रॉसिंग के पास ट्रेन से गिर गया है। सूचना पर थाना स्थानीय की पुलिस मौके पर पहुंची तो ट्रेन से गिरे हुए व्यक्ति के सिर में चोट लगी थी। जिसकी तलाशी ली गई तो केवल मात्र एक टिकट जौनपुर से बहराइच तक दिनांक 08.03.2025 का इंटरसिटी एक्सप्रेस का मिला था। घायल व्यक्ति की पहचान नहीं हो सकी, उम्र लगभग 32-35 वर्ष, घायल व्यक्ति को प्राथमिक उपचार हेतु पीएचसी सोंधी लाया गया जहां गंभीर हालत होने पर जिला चिकित्सालय जौनपुर भर्ती कराया गया।घायल व्यक्ति की आज दिनांक 09.03.2025 को सुबह मृत्यू हो गयी है।शव का शिनाख्त कराये जाने का प्रयास किया जा रहा है। मृतक का शव जिला चिकित्सालय मर्चरी हाउस मे रखवाया गया हैं।

3 दिवसीय जौनपुर महोत्सव का आयोजन आज से

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चंद्र यादव द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में जौनपुर महोत्सव के संबंध में प्रेस वार्ता की गई।प्रेस वार्ता के दौरान मंत्री बताया कि तीन दिवसीय जौनपुर महोत्सव का आयोजन 10 मार्च से 12 मार्च 2025 तक शाही किला में होना है। उन्होंने 10, 11 और 12 मार्च को होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि 10 मार्च को अपराह्न 4:00 बजे से कार्यक्रम की शुरूआत की जाएगी। जिसमें सर्वप्रथम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, शहीदों के परिजन, प्रतिभाशाली खिलाड़ी सहित जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया जाएगा। इसके पश्चात विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा जिसमें शिव तांडव, महिषासुर मर्दिनी, स्थानीय कलाकारों द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता है कि जौनपुर महोत्सव के माध्यम से हर स्थानीय कलाकार को मंच मिल सके जिससे वह अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सके। 11 मार्च को भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के साथ ही भोजपुरी कलाकारों द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। 12 मार्च को सामूहिक विवाह के आयोजन के संदर्भ में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 1001 जोड़ों को आशीर्वाद देंगे। समाज कल्याण विभाग के माध्यम से मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह का आयोजन किया जा रहा है।जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जौनपुर महोत्सव के दौरान हमने ऐसे सभी कलाकारों को आमंत्रित करने का प्रयास किया है जिन्हें हम मंच देकर उनके प्रतिभा को लोगों के सामने प्रस्तुत कर सकें। साथ ही उन्होंने बताया कि जनपद के विकास से संबंधी प्रदर्शनी भी लगेगी तथा सभी विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर योजनाओं का प्रचार प्रचार कराया जाएगा जिससे पात्र और वंचित लोगों तक शासन की योजनाओं का लाभ दिया जा सके। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष पुष्पराज, पुलिस अधीक्षक डॉ0 कौस्तुभ, मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम, अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 रामअक्षयबर चौहान, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय, रियाजुल सहित इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया के पत्रकार बंधु उपस्थित रहे।

कायस्थ सभा का होली मिलन समारोह एवं शपथ ग्रहण समारोह 23 मार्च को

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कायस्थ समाज जौनपुर के सभी संगठनों की एक आवश्यक बैठक श्री चित्रगुप्त धर्मशाला रूहटा में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा 7235 के जिला अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। संचालन अखिल भारतीय चित्रांश महासभा जौनपुर के जिला महासचिव विश्व प्रकाश श्रीवास्तव दीपक पत्रकार ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में अपर जिलाधिकारी सीआरओ जौनपुर अजय अंबष्ट रहे। मुख्य अतिथि अजय अंबष्ट ने कहा कि भगवान चित्रगुप्त के मंदिर में पूजन कर आज वह धन्य हो गए मंदिर हित में जो भी कार्य होगा उसे निष्ठापूर्वक पूरा किया जाएगा। बैठक में सर्वसम्मति से तय हुआ कि जौनपुर के सभी संगठनों द्वारा होली मिलन समारोह/शपथ ग्रहण समारोह दिनांक 23 मार्च रविवार को शाम 4 बजे से सिद्धार्थ उपवन जेसिज चौराहे में आयोजित किया गया है। जिसमें कार्यक्रम संयोजक प्रदेश उपाध्यक्ष कायस्थ महासभा 7235 के प्रदेश उपाध्यक्ष चंद्रमोहन श्रीवास्तव,राष्ट्रीय सचिव कायस्थ महासभा 7235 के राकेश श्रीवास्तव साधु , राष्ट्रीय महासचिव राजेश श्रीवास्तव बच्चा भईया, प्रदेश संगठन मंत्री उमेश श्रीवास्तव, प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश अस्थाना, कायस्थ महासभा 7235 के जिला अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव, ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस के जिला अध्यक्ष डॉ उमाकांत श्रीवास्तव प्रिंसिपल, अखिल भारतीय चित्रांश महासभा के जिला अध्यक्ष दयाल सरन श्रीवास्तव, कायस्थ संघ अंतर्राष्ट्रीय के जिला अध्यक्ष अजय वर्मा अज्जू, राष्ट्रीय कायस्थ महापरिषद के जिला अध्यक्ष गिरिजेश श्रीवास्तव वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष प्रमोद श्रीवास्तव पूर्व बैंक अधिकारी कार्यक्रम संयोजक बनाए गए। कार्यक्रम में अतिथि के रूप मे पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह विधायक प्रयागराज, वन मंत्री डॉ अरुण सक्सेना, विधायक सौरभ श्रीवास्तव, पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष महेश चंद श्रीवास्तव, के पी ट्रस्ट प्रयागराज के अध्यक्ष डॉ सुशील सिन्हा,आई पी एस वी पी श्रीवास्तव पूर्व पुलिस अधीक्षक जौनपुर, पूर्व पुलिस अधीक्षक जौनपुर अतुल सक्सेना,ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय अध्यक्ष/राष्ट्रीय प्रवक्ता जेडीयू दल,अखिल भारतीय चित्रांश महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव वर्मा, राष्ट्रीय अध्यक्ष कायस्थ संघ अंतर्राष्ट्रीय दिनेश खरे, राष्ट्रीय कायस्थ महापरिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष ई मयंक श्रीवास्तव, सहित अन्य कायस्थ समाज के वरिष्ठ नेता मंत्री जनप्रतिनिधि, अधिकारी गण अतिथि के रूप में भाग लेंगे। बैठक में सभी को जिम्मेदारी सौंपी गई और ज्यादा से ज्यादा संख्या मे लोग 23 मार्च रविवार को शाम सिद्धार्थ उपवन पहुंचे रणनीति बनाई गई जनपद के सभी कायस्थों को आमंत्रित किया गया है।

युवा पत्रकार तामीर हसन शीबू को इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में नई जिम्मेदारी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के प्रख्यात युवा पत्रकार तामीर हसन शीबू को इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें IND24 इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का जिला संवाददाता नियुक्त किया गया है। पत्रकारिता के क्षेत्र में अपनी निष्पक्ष और सटीक रिपोर्टिंग के लिए पहचाने जाने वाले श्री हसन ने अपनी अलग पहचान बनाई है।

पत्रकारिता का सफर: तामीर हसन शीबू ने पत्रकारिता की शुरूआत वर्ष 2016 में एक हिंदी समाचार पत्र से की थी। अपनी मेहनत और निडर पत्रकारिता के कारण उन्होंने जल्द ही इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की ओर कदम बढ़ाया। उनकी बेबाक और निष्पक्ष रिपोर्टिंग की बदौलत उन्होंने कई बड़े मीडिया संस्थानों का विश्वास जीता और वर्तमान में वे तीन प्रमुख टीवी चैनलों और दो प्रतिष्ठित अखबारों के साथ सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं।

अन्य जिम्मेदारियाँ: हसन केवल पत्रकारिता तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उन्हें राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के जिला अध्यक्ष का दायित्व भी सौंपा गया है। इस भूमिका में वे पत्रकारों के हितों की रक्षा और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं।

तामीर हसन शीबू का बयान: IND24 इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के जिला संवाददाता बनाए जाने पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए तामीर हसन शीबू ने कहा, 'मैं अपने इस नए दायित्व को पूरी ईमानदारी और निष्पक्षता के साथ निभाने के लिए प्रतिबद्ध हूँ। पत्रकारिता मेरे लिए सिर्फ एक पेशा नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है। मेरा उद्देश्य हमेशा सत्य को जनता तक पहुँचाना और समाज की समस्याओं को उजागर करना रहा है। मुझे उम्मीद है कि आप सभी का सहयोग, प्यार और आशीर्वाद हमेशा बना रहेगा।'

साफ-सुथरी छवि और सम्मान: तामीर हसन शीबू को उनकी ईमानदार और निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए जाना जाता है। उनकी बेदाग छवि और निष्पक्ष दृष्टिकोण के कारण वे पत्रकारिता जगत में सम्मानित व्यक्तित्व माने जाते हैं। उनके कार्यों ने उन्हें न केवल जनपद में बल्कि पत्रकारिता के राष्ट्रीय मंच पर भी एक विशेष पहचान दिलाई है। आगे की राह IND24 इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के जिला संवाददाता के रूप में उनकी नियुक्ति इस बात का प्रमाण है कि उनकी मेहनत, लगन और निष्ठा को लगातार सराहा जा रहा है। यह उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत करियर के लिए बल्कि पूरे जौनपुर के पत्रकारिता जगत के लिए भी गर्व की बात है।

महिलाओं के लिए मिनी मैराथॉन का आयोजन

भिवंडी। सोशल वॉरियर्स फाउंडेशन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में 9 मार्च को 14 साल से 25 साल तक की महिलाओं के लिए 3 किलोमीटर की मिनी मैराथॉन वुमेन वॉरियर्स मैराथॉन का आयोजन किया गया। इस मैराथॉन में करीब 100 बालिका तथा महिलाओंने सहभागिता दिखाई। तत्पश्चात दोनो उम्र ग्रुप के प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेता को मेडल, इनाम, एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। बाकी के सभी सहभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीमती वंदना मनोज काटेकर नगरसेविका, मनोज काटेकर माजी उपमहापौर, नगर सेवक, ब्रह्माकुमारी शिल्पा दीदी, ब्रह्माकुमारी अर्पणा दीदी, डॉ. स्वातिसिंह, श्रीमति ज्योति वाघे उपस्थित रही। सभी आये हुए अतिथियों का सोशल वॉरियर्स फाउंडेशन के अध्यक्ष जगदीश पाटिल माजी सैनिक के नेतृत्व मे वॉरियर्स फाउंडेशन के पदाधिकारियों द्वारा शाल और पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया.

नारायण सेवा संस्थान के नि:शुल्क शिविर में शामिल हुए 1100 से अधिक दिव्यांगजन

पटना (उत्तरशक्ति)। नारायण सेवा संस्थान के तत्वावधान में रविवार को पटना रिजॉर्ट, आशियाना दीघा मेन रोड, पटना में निःशुल्क ऑपरेशन जांच-चयन और नारायण लिंब व केलिपर्स माप शिविर आयोजित हुआ। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि बिहार सरकार के पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन और स्थानीय विधायक डॉ. संजीव चौरसिया व विशिष्ट अतिथि समाजसेवी कृष्ण गोपाल, मनोज अग्रवाल, प्रदीप बर्नलवाल, पवन केसरी, साधु शरण, लक्ष्मण टेकरीवाल, राहुल रंजन एवं संस्थान निदेशक वंदना अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर दिव्यांगों, उनके परिजनों और पटना के सम्मानित सदस्यों को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि मंत्री नितिन नवीन ने कहा मैं संस्थान की सेवाएं देखकर अभिभूत हूँ। दिव्यांगों को मदद के लिए आगे आने पर संस्थान के अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल और पूरी टीम का अभिनंदन करता हूँ। नारायण सेवा संस्थान के दिव्यांग एवं नारी सशक्तिकरण के कार्य समाज और सरकार के लिए उल्लेखनीय है। मानव धर्म और स्वस्थ समाज का संकल्प अवश्य ही पूरा होगा। उन्होंने संपूर्ण बिहार में दिव्यांगों के हितार्थ नारायण सेवा संस्थान को हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया। विधायक डॉ. संजीव चौरसिया ने कहा कि संस्थान दिव्यांगों को शारीरिक, सामाजिक, आर्थिक एवं बौद्धिक रूप से सशक्त बनाने के लिए जो प्रयास और कार्य कर रही हैं यह अनुकरणीय है। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि और अन्य मेहमानों ने शिविर में आये दिव्यांगों के उदगार सुने और डॉक्टर टीम से उपचार और लाभ पहुंचाने की प्रक्रिया भी जानी। संस्थान की निदेशक वंदना अग्रवाल ने संस्थान की निःशुल्क सेवाएं, ऑपरेशन, नारायण लिम्ब लगाना, 5000 लोगों को रोज भोजन करना,आर्थिक रूप से असमर्थ 600 मजदूरों के बच्चों के लिए निःशुल्क नारायण चिल्ड्रन एकेडमी स्कूल चलाना, सैकड़ो दिव्यांगों को स्वरोजगार के कंप्यूटर, मोबाइल, सिलाई, मेहंदी का प्रशिक्षण देना और उनका सामूहिक विवाह कर घर बसाने जैसे अनेक प्रकल्पों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शिविर में 1100 से अधिक रोगी जिसमें बच्चे, वयस्क, वृद्ध और महिलाओं के सभी आयु वर्ग से दिव्यांग ने शिविर का लाभ उठाया। शिविर प्रभारी हरि प्रसाद लडढा और दिग्विजय सिंह ने शिविर रिपोर्ट बताते हुए कहा कि शिविर में 1103 दिव्यांग आए जिन्हें संस्थान डॉक्टर व पीएंडओ टीम ने देखा और 651 दिव्यांगों का नारायण लिंब हाथ -पैर और केलिपर्स लगाने के लिए मेजरमेंट लिया।

करीब 300 दिव्यांग रोगियों का चयन शल्य चिकित्सा हेतु किया गया। इन सभी का निःशुल्क ऑपरेशन होगा। दिग्विजय सिंह ने कहा कास्टिंग और मेजरमेंट के लिए चयनित दिव्यांगों को करीब 2 से 3 माह बाद नारायण लिम्ब पुनः पटना में शिविर कर पहनाए जाएंगे। संस्थान द्वारा निर्मित ये नारायण लिंब गुणवत्ता युक्त है और वजन में हल्के हैं। उपयोग में टिकाऊ रहेंगे। सभी रोगियों को संस्थान की ओर से निःशुल्क भोजन, चाय, अल्पाहार प्रदान किया गया। संस्थान की 40 सदस्य टीम ने सेवाएं दी।

जज सिंह अन्ना को भारत का क्रांतिवीर उपाधि से सम्मानित

जौनपुर। ऑल इंडिया आइडल जनरलिस्ट एसोसिएशन के 24वां स्थापना दिवस पर जौनपुर के केंद्रीय कार्यालय में जौनपुर जिले के सामाजिक कार्यकर्ता जज सिंह अन्ना को भारत का क्रांतिवीर पद से सम्मानित किया गया । प्रशस्ति पत्र, मेडल, अंग वस्त्र ,डायरी, कैलेंडर, सहित बीसों मालाओं से अन्ना का स्वागत किया गया वहां मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका लालजी टंडन, डॉ सी डी सिंह की अध्यक्षता में आइडियल इंडिया के अध्यक्ष प्रमोद वाचस्पति सहित सैकड़ो अतिथि और पत्रकार सब ने जज सिंह अन्ना की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए तालिया से स्वागत किया, इस कार्यक्रम में आए हुए सभी जौनपुर आजमगढ़ के अतिथियों को चुन चुन कर स्वागत किया गया । स्वागत हुए अतिथि आद्या प्रसाद सिंह, संजय कुमार पांडे, अंसार अहमद, इंद्रमन, रामसमुझ यादव, सुधाकर शुक्ला, कौशलेंद्र गिरी, प्रशांत विक्रम सिंह ,डॉक्टर अंगद कुमार, अनिल कुमार रामचंद्र नागर, अनिल कुमार गौतम, राजकमल मिश्र जुबैद अहमद रविकांत, डॉ बृजेश कुमार यदुवंशी विद्याधर राम विद्यार्थी, मार्कंडेय तिवारी शैलेश तिवारी, अवधेश मिश्रा, संजय अस्थाना, डॉक्टर दिलीप कुमार सिंह आदि वरिष्ठ पत्रकार मौजूद रहे ।

गुरु तेग बहादुर का जीवन शौर्य त्याग और बलिदान का प्रतीक

मुंबई। पश्चिमी मुंबई गुरुद्वारा यूनिटी की ओर से गोरेगांव (पूर्व) स्थित नेस्को हॉल में शनिवार देर शाम गुरु तेग बहादुर जी महाराज की 350 वीं शहीदी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में गुरमत समागम आयोजित किया गया। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुजी को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके बलिदान को नमन किया। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी का जीवन शौर्य, त्याग और बलिदान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि गुरुजी ने न केवल हमारी संस्कृति और धर्म की रक्षा की, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए बलिदान दिया। जब मुगल शासक औरंगजेब द्वारा हिंदुओं पर अत्याचार किए जा रहे थे और उन्हें जबरन धर्मांतरण के लिए बाध्य किया जा रहा था, तब गुरुजी ने आगे आकर उनकी रक्षा की। उनके अद्वितीय बलिदान के कारण ही उन्हें 'हिंद की चादर' कहा जाता है। मुख्यमंत्री ने गुरुजी के अद्वितीय साहस का उल्लेख करते हुए कहा कि जब औरंगजेब ने गुरुजी को बंदी बनाया और इस्लाम कबूल करने के लिए विवश किया, तब उन्होंने स्पष्ट रूप से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि यदि पूरा सिख समाज भी इस्लाम कबूल कर ले, तब भी वे ऐसा नहीं करेंगे। गुरुजी की यह अडिग निष्ठा और अटूट विश्वास उनकी वीरता का प्रमाण है। सन 1675 में दिल्ली के चांदनी चौक में गुरुजी ने धर्म और सत्य की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। आज भी यह स्थान श्रद्धालुओं के लिए एक पवित्र तीर्थस्थल बना हुआ है। इस अवसर पर जत्थेदार श्री अकाल तख्त साहिब सिंह साहिब ज्ञानी, जत्थेदार पटना साहिब सिंह साहिब ज्ञानी बलदेव सिंह, जत्थेदार तख्त श्री केशगढ़ साहिब सिंह साहिब ज्ञानी सुल्तान सिंह, जत्थेदार तख्त सचखंड हजूर साहिब सिंह ज्ञानी ज्योतिंदर सिंह सहित कई प्रमुख सिख धर्मगुरु उपस्थित रहे। समारोह में शिरोमणि पंथ अकाली बुड्ढा दल सिंह साहिब, जत्थेदार बाबा बलबीर सिंह, ज्ञानी पिंदरपाल सिंह, भाई हरजिंदर सिंह, संत अनूप सिंह, एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी, जत्थेदार बाबा बलबीर सिंह, साहेब सिंह संधू, सरबजीत सिंह संधू और विधायक पराग अलवाड़ी सहित बड़ी संख्या में सिख समाज के श्रद्धालु उपस्थित थे।

समाज सेवी चंद्रशेखर आर शुक्ला से उत्तरशक्ति से हुई औपचारिक मुलाकात

मुंबई (उत्तरशक्ति)। लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष व समाजसेवी चंद्रशेखर आर शुक्ला से दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के संपादक ओमप्रकाश प्रजापति, उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा ने उनके घाटकोपर स्थित अमृत नगर रेखा अपार्टमेंट में पहुंच कर पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस दौरान समाज के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के साथ दैनिक उत्तरशक्ति समाचार पत्र के विस्तार को लेकर विचार विमर्श किया गया। उन्हें दैनिक उत्तरशक्ति के स्थापना दिवस पर आमंत्रित किया गया। बता दें श्री शुक्ला के पैर में फैक्चर होने के कारण अस्वस्थ हैं। लेकिन उन्होंने समाचार पत्र को सतत आगे बढ़ने व अपनी तरफ से सहयोग करने का आश्वासन दियाव कार्यक्रम में आने की कोशिश करुंगा। ईश्वर उन्हें शीघ्र ही स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें। चंद्रशेखर आर शुक्ला हाल में ही उत्तर प्रदेश के जनपद सुल्तानपुर से एक कार्यक्रम में शामिल हो कर मुंबई आ गए हैं।

श्रमिक संघ महाराष्ट्र पुलिस भर्ती प्रशिक्षण प्रारंभ

वसई। वसई उसगाव में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर श्रमिक संघ महाराष्ट्र पुलिस भर्ती प्रशिक्षण प्रारंभ किया इस समारोह में विवेक भाऊ पंडित (अध्यक्ष - मंत्री स्तर, राज्य स्तरीय जनजातीय क्षेत्र विकास समीक्षा समिति, महाराष्ट्र राज्य) ने समापन किया। इस समारोह में उपस्थित माताओं-बहनों से संवाद कर के अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दी गईं। महिला सशक्तिकरण सिर्फ एक बाद की सोच नहीं है, यह समाज के उज्ज्वल भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। इस अवसर पर एक सकारात्मक संदेश दिया गया कि महिलाओं को हर क्षेत्र में अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन कर समाज की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए। इस अवसर पर वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित,राम भाऊ, विजय भाऊ, सुरेश भाऊ, विमल ताई, प्रमिला ताई, सीता ताई एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मुकुंदीपुर में श्रीरामचरितमानस पाठ का आयोजन

जौनपुर। जनपद जौनपुर के सिकरारा क्षेत्र स्थित ग्राम सभा मुकुंदीपुर मे आध्यात्मिक ऊर्जा और भक्ति भाव से ओतप्रोत माहौल में अखंड रामचरितमानस पाठ का आयोजन धूम धाम से संपन्न हुआ यह पवित्र अनुष्ठान मुकुंदिपुर निवासी एवं बिहार के सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश विनोद कुमार मिश्रा के संयोजन में आयोजित किया गया। न्यायिक क्षेत्र में अपनी कर्तव्यनिष्ठा और निष्पक्षता के लिए पहचाने जाने वाले विनोद मिश्रा समाज सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए भी क्षेत्र में खास पहचान रखते हैं।

इस धार्मिक आयोजन में जिले के कई प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। महंत आत्मानंद सरस्वती जी महाराज (महामंडलेश्वर, जुना अखाड़ा, नासिक) का विशेष सान्निध्य प्राप्त हुआ। मुख्य अतिथियों में राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी, लोकप्रिय समाजसेवी एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता ज्ञान प्रकाश सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष रामविलास पाल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुधाकर उपाध्याय, कांग्रेस के मल्हनी विधानसभा से पूर्व प्रत्याशी मंगल मिश्रा गुरु और भाजयुमो जिलाध्यक्ष स्कंद पटेल विशेष रूप से उपस्थित रहे। इन गणमान्य अतिथियों की मौजूदगी ने इस भव्य आयोजन की गरिमा को और बढ़ा दिया। इसके अलावा, पूर्व चीफ कमिश्नर इनकम टैक्स गौरीशंकर सिंह, पूर्व जिला जज एवं वर्तमान अध्यक्ष जिला उपभोक्ता आयोग प्रतापगढ़ यशवंत कुमार, पूर्व तहसीलदार साधु शरण उपाध्याय, बहरिया ब्लॉक के पूर्व प्रमुख कुलदीप पांडे, जौनपुर जिला पत्रकार संघ के कोषाध्यक्ष राम दयाल द्विवेदी, वरिष्ठ पत्रकार शरद सिंह, सांसद प्रतिनिधि ओमप्रकाश सिंह, सपा नेता पंधारी यादव, बसपा नेता राम कुमार यादव, पूर्व जिला पंचायत सदस्य केश जीत यादव, प्रधान राजा सिंह, युवा नेता अवनीश उपाध्याय और उ.प्र. जुनियर हाई स्कुल शिक्षक संघ जौनपुर जिला अध्यक्ष सुशील उपाध्याय, सांसद पीआरओ देवेंद्र तिवारी, न्यायिक अधिकारियों में अमृत लाल यादव, संजय कुमार सिंह, प्रेम चंद्र पांडे और उमाकांत यादव, डायरेक्टर अभियोजन पी.एन. सिंह,पूर्व प्रधान लालजी यादव, गुड्डू यादव, प्रधान अरविंद यादव, जैसे गणमान्य अतिथि इस पावन आयोजन में सम्मिलित हुए। परिवार के सदस्य भी आयोजन में विशेष रूप से शामिल हुए। पूर्व ग्राम प्रधान विमला मिश्रा, लखनऊ उच्च न्यायालय की अधिवक्ता ममता शुक्ला, केंद्र सरकार के राजपत्रित अधिकारी प्रशांत मिश्रा, नवोदय विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक प्रेम शुक्ला, वरिष्ठ शिक्षक श्रीप्रकाश शुक्ला समेत अन्य परिजनों ने श्रद्धाभाव से आयोजन में भाग लिया। इनके अलावा, बड़ी संख्या में ग्रामीण श्रद्धालु भी इस आध्यात्मिक आयोजन के साक्षी बने। पत्रकार आदेश मिश्र ने बताया कि रामचरितमानस पाठ के दौरान पूरा गाँव भक्ति और श्रद्धा के रंग में रंगा नजर आया। सुंदरकांड, चौपाइयों और भजनों की गूँज से माहौल दिव्यता से भर उठा। श्रद्धालुओं ने भावविभोर होकर श्रीराम के पावन चरित्र का श्रवण किया और कीर्तन में पूरी श्रद्धा से भाग लिया। दूर-दूर से आए हुए भक्तों ने इस आयोजन में शिरकत कर आध्यात्मिक शांति का अनुभव किया। गाँव के मंदिर परिसर में पूरा वातावरण भक्तिरस से सराबोर नजर आया। रामचरितमानस पाठ के समापन के बाद हजारों की संख्या मे श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। आयोजन में आए सभी अतिथियों और श्रद्धालुओं ने इस धार्मिक अनुष्ठान की भूरी-भूरी प्रशंसा की और इसे आध्यात्मिक उन्नति का माध्यम बताया। अंत में सेवानिवृत्त न्यायाधीश विनोद मिश्रा ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी इस तरह के धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों को जारी रखने का संकल्प लिया।

एस व्ही फाउंडेशन द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन

ठाणे (उत्तरशक्ति)। ठाणे पश्चिम अनमोल स्कूल ग्राउंड वसंत विहार में एस व्ही फाउंडेशन द्वारा इस वर्ष होली का आनंद एक अनोखे अंदाज में मनाने के लिए होली स्नेह सम्मेलन का आयोजन किया गया है । जैसा की कुछ दिनों बाद होली की धूम मचने वाली है। लोग होली को लेकर कई दिनों पहले से तैयारी शुरू कर देते हैं। इसी को देखते हुए हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी एस व्ही फाउंडेशन द्वारा सातवें होली स्नेह सम्मेलन का आयोजन किया गया है। होली मिलन का आयोजन रतन मिश्रा, अभिषेक मिश्रा, उद्योगपति पंकज मिश्रा, अरविंद गिरी, अजीत चौबे, श्रीमती अंजलि शुक्ला, जितेश गुप्ता, सिद्धार्थ पांडेय, विजय त्रिपाठी, आशीष गिरी, हंसराज सिंह, श्रीमती श्रद्धा दुबे, आकाश भगत ,सूरज मिश्रा, आदित्य गिरी, गजानंद यादव, सुमित मिश्रा, शुभम द्विवेदी एवं जितेन गिरी के सहयोग से हो रहा है। इस स्नेह सम्मेलन में रंगों की जगह महत्वपूर्ण फूलों संग होली का अद्भुत अनुभव ठंडाई होली की मस्ती को दोगुना करने के लिए भजिया और जलेबी स्वादिष्ट पकवानों का लुत्फ होली के संगीतमय माहौल में रंगारंग प्रस्तुति होगी ।

यह कार्यक्रम 16 मार्च को शाम 6:00 बजे से 9:30 बजे तक मनाया जाएगा। सभी बंधुओ से निवेदन है कि इस भव्य आयोजन का हिस्सा बनें और होली सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर फगुआ का भी आनंद उठाएं ।होली का त्यौहार स्नेह, प्रेम और भाईचारे के साथ पुराने किसी भी प्रकार के भेदभाव को मिटा कर गले लगने वाला त्यौहार है। सभी से अनुरोध है कि आइए साथ मिलकर इस होली को यादगार बनाने का संकल्प हमारी संस्था द्वारा किया गया है। इस कार्यक्रम की जानकारी समाज सेवी रतन मिश्रा ने दी है।

पत्रकार महेंद्र पाण्डेय को महाराज ने दिया आशीर्वाद

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड वरदान लोक आश्रम में होगा केदारनाथ धाम स्थापित 09 मार्च, वरदान लोक आश्रम। विश्व जागृति मिशन मुम्बई में पहाड़ों की तलहटी पर बसी वरदान लोक आश्रम में एक दिवसीय भक्ति सत्संग महोत्सव का आयोजन किया गया है, जिसको सुनने के लिए सम्पूर्ण मुम्बई सहित राज्य के अलग अलग जगहों से भक्त अपने गुरुदेव के दर्शन करने आए हैं। व्यास मंच से परम श्रद्धेय सदगुरुदेव श्री सुधांशु जी महाराज ने सभी भक्तों के ऊपर भगवान कृपा करें और उनके परिवार में सुख समृद्धि मिले, कि कामना की। वरदान लोक आश्रम के प्रधान श्री शेर सिंह अग्रवाल जी ने सभी भक्तों तथा अधिकारियों की ओर से स्वागत एवं अभिनन्दन किया। वरिष्ठ पत्रकार महेंद्र पाण्डेय को महाराज जी ने आशीर्वाद दिया साथ मीरा भाईंदर मनपा के पूर्व सभापति एवं नगरसेवक मनोज रामनारायण दुबे, लगातार विगत कई वर्षों से महाराज जी के सेवा में समर्पित नरहरी तिवारी, भाजपा नेता रमेश मिश्रा, आनंद शुक्ला ने महाराज जी से आशीर्वाद लिया। गुरु भक्तों के हूजूम में बोलते हुए करोड़ों हृदय के प्रेरणाश्रोत एवं मिशन के कल्पनापुरुष पूज्य महाराजश्री जी ने कहा कि एक ही मूर्ति या स्वरूप में तीनों देवता अनुभव आते हैं, वह कोई और नहीं शिवालय में स्थापित भगवान शिव ही हैं। शिव की आराधना करते हुए शिव के रूप में पूजन होता है वही है शिवलिंग।

भगवान शिव की प्रार्थना कर- के पूज्य गुरुदेव ने सभी की कल्याण की कामना की और वरदान लोक आश्रम में ही केदारनाथ धाम स्थापित करने की प्रेरणा दी। जो अपने गुरु और भगवान को समर्पित होकर अपनी श्रद्धा प्रकट करने वाले भक्तों के ऊपर अवश्य कृपा होती है। परम पूज्य महाराजश्री जी ने कहा कि श्रद्धा आपको भगवान के चरणों तक पहुंचने में मदद करता है। पांच दिवसीय प्रसाद भक्ति सत्संग महोत्सव एवं रजत जयंती समारोह ठाणे का समापन वरदान लोक आश्रम में हजारों गुरु भक्तों की मौजूदगी में आरती के साथ सम्पन्न हुआ।

ब्रह्म विष्णु महेश का प्रतीक भगवान शिव: आचार्य सुधांशु जी महाराज

महिला दिवस के अवसर पर एमएनबी होम फॉर द ब्लाइंड तथा कोखा फाउंडेशन द्वारा आयोजित टैलेंट हंट

वसई (उत्तरशक्ति)। महिला दिवस के अवसर पर एमएनबी होम फॉर द ब्लाइंड तथा कोखा फाउंडेशन ने एक टैलेंट हंट का आयोजन किया। जिसमें दिव्यांग बालिकाओं ने प्रतियोगिता में भाग लिया। यह आयोजन 8 मार्च को महिला दिवस के अवसर पर आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य दिव्यांग बालिकाओं की प्रतिभा को पहचानना और प्रोत्साहित करना था। इस टैलेंट हंट में दिव्यांग बालिकाओं ने विभिन्न प्रतिभा श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा की,जैसे कि गायन,नृत्य, वाद्य संगीत, स्केटिंग, योगा आदि। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बालिकाओं ने अपनी प्रतिभा का अद्भुत प्रदर्शन किया और दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस आयोजन का उद्देश्य दिव्यांग बालिकाओं को एक मंच प्रदान करना था, जहां वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें और अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित हो सकें। एमएनबी होम फॉर द ब्लाइंड तथा कोखा फाउंडेशन ने इस आयोजन के माध्यम से दिव्यांग बालिकाओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दिखाया और उनके लिए एक सकारात्मक और प्रेरक वातावरण बनाने का प्रयास किया। इस मौके पर संस्था के सेक्रेटरी डॉक्टर विमल कुमार डेंगला ने सभी दिव्यांग महिलाओं को वूमेंस डे की शुभकामनाएं दी। इस प्रोग्राम में हिस्सा लेने वाली सभी दिव्यांग बालिकाओं को इनाम वितरित किया गया जिससे उनके चेहरे पर मुस्कान दिखा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बॉलीवुड अभिनेता दीपक वर्मा और उनकी पत्नी अंशु वर्मा एवं गोपाल आर्यन ,डॉक्टर सनाया,कोखा फाउंडेशन के फाउंडर संजय नागर ,एमएनबी होम फॉर द ब्लाइंड के सीईओ मयंक शेखर ,नैब से चार्ल्स राव तथा गोपाल रावल सहित कई मान्यवर उपस्थित थे।

महिला दिवस पर मुंबई कांग्रेस द्वारा महिलाओं का सम्मान

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर ईशान्य मुंबई कांग्रेस द्वारा महिलाओ के सम्मान में एक कार्यक्रम राकेश राघवन (उपाध्यक्ष ई.मु.जिला कांग्रेस) द्वारा मुलुंड महिला कांग्रेस (अध्यक्ष नीता बेन जोशी) के सहयोग से जी.एस. शेट्टी बैक्वेट हाल,मुलुंड प. पर आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में मुंबई कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष चरण सिंह सप्रा,उपाध्यक्ष गोविंद सिंह,मा.उपाध्यक्ष डॉ.बाबूलाल सिंह, महासचिव सुनील गंगवानी,सचिव किशोर मुंडेकल, अब्राहम राय मणी(अध्यक्ष जिला कांग्रेस), उत्तम गीते (कार्याध्यक्ष),लाजवंती शेट्टी (महिला जिलाध्यक्ष),कैलाश पाटील,धर्मेश सोनी, संतोष सोनावणे,राजन भोसले,ब्लाक अध्यक्ष अरविंद यादव,विट्ठल सातपुते,राजन उटवाल उपस्थित रहे। इस अवसर पर सोनम केवट(अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त योग साधिका,कराटे ब्लैक बेल्ट,लेखिका), श्रीमती जयबाला सिंह,बबीता गुप्ता,अश्विनी पोचे, शारदा जगताप, मनीषा सोनावणे, पुजा सातपुते, निर्मलासोनावणे,शुभांगी वैती,मीना सोलिया का प्रियंका गांधी स्मृति चिन्ह, शाल प्रदान कर अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सोनम केवट द्वारा लिखित पुस्तक काव्य संग्रह शक्ति (द पेन आफ शिवा) नेताओ को समर्पित किया। इस अवसर पर महिलाओ के लिये विविध,गेम्स एवम सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।